दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 23 ■ दमण, शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

संघ प्रदेश डीएनएच डीडी में बज गया चुनावी बिगुल

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव की हुई घोषणा: 5 नवंबर को होगा मतदान

■ दादरा नगर हवेली जिला पंचायत, सभी ग्राम पंचायतों एवं सिलवासा नगरपालिका, दमण जिला पंचायत, सभी ग्राम पंचायतों एवं दमण नगरपालिका के चुनाव के लिए जारी हुई अधिसूचना ■ दीव जिले की महारानी लक्ष्मीबाई वणाकबारा, महाराणा प्रताप साउदवाडी, शहीद भगत सिंह और सरदार वल्लभभाई पटेल ग्राम पंचायतों को छोडकर शेष ग्राम पंचायतों में भी होगा चुनाव ■ 10 अक्टूबर को आम चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही शुरु हो जायेगी नामांकन प्रक्रिया ■ 17 अक्टूबर 2025 नामांकन की अंतिम तिथि, 20 अक्टूबर तक नाम लिये जा सकेंगे वापस ■ 11 नवंबर 2025 तक चुनाव प्रक्रिया की जायेगी पूरी ■ आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से हुई लागू

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण, 09 अक्टूबर। संघ प्रदेशों के चुनाव आयुक्त सुधांशु पांडे ने संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव की घोषणा कर दी है। दादरा नगर हवेली जिला पंचायत, सभी ग्राम पंचायतों एवं सिलवासा नगरपालिका, दमण जिला पंचायत, सभी ग्राम पंचायतों एवं दमण नगरपालिका और दीव जिले की 4 ग्राम पंचायतों को छोडकर चुनाव के लिए अधिसूचन जारी की गई है। दीव जिले की महारानी लक्ष्मीबाई वणाकबारा, महाराणा प्रताप साउदवाडी, शहीद भगत सिंह और सरदार वल्लभभाई पटेल ग्राम पंचायतों को छोडकर शेष ग्राम पंचायतों में चुनाव होगा। संघ प्रदेश श्रीडी प्रशासन द्वारा 10 अक्टूबर 2025 को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया भी शुरु हो जायेगी। नामांकन करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर है और 18 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 20 अक्टूबर तक नाम वापस लिये जा सकेंगे। 5 नवंबर 2025 को मतदान होगा। 11 नवंबर 2025 तक चुनाव प्रक्रिया संपन्न कर ली जायेगी। संघ प्रदेशों के चुनाव आयोग द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया गया है कि केंद्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव में ग्राम पंचायतों (दीव जिले में महारानी लक्ष्मीबाई वणाकबारा, महाराणा प्रताप साउदवाडी, शहीद भगत सिंह और सरदार वल्लभभाई पटेल ग्राम पंचायतों को छोड़कर) और जिला पंचायतों के पिछले आम चुनाव अक्टूबर/नवंबर 2020 में हुए थे। इन ग्राम पंचायतों और जिला पंचायतों की पहली बैठक के लिए नियत तिथि से पाँच वर्ष की अवधि शीघ्र ही समाप्त होने वाली है। दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव पंचायत विनियमन, 2012 की धारा 19(1) में कहा गया है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत, जब तक कि उसे वर्तमान में लागू किसी कानून के तहत पहले ही भंग नहीं कर दिया जाता है, अपनी पहली बैठक के लिए नियत तिथि से पाँच वर्ष तक जारी रहेगी, इससे अधिक नहीं। इसके अलावा, उक्त विनियमन की धारा 64(1) में कहा गया है कि जिला पंचायत, जब तक कि उसे वर्तमान में लागू किसी कानून के तहत पहले ही भंग नहीं कर दिया जाता है, अपनी पहली बैठक के लिए नियत तिथि से पाँच वर्ष तक जारी रहेगी, इससे अधिक नहीं। दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव पंचायत (चुनाव प्रक्रिया) नियम, 2023 के नियम 22 में कहा गया है कि पंचायत की अवधि समाप्त होने या उसके विघटन पर नई पंचायत के गठन के उद्देश्य से आम चुनाव कराया जाएगा। इसी प्रकार, केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव में दमण नगरपालिका और सिलवासा नगरपालिका के पिछले आम चुनाव भी अक्टूबर/नवंबर 2020 में हुए थे। इन नगर परिषदों की पहली बैठक के लिए नियत तिथि से पांच वर्ष की अवधि भी शीघ्र ही समाप्त होने वाली है। दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव नगर परिषद विनियमन, 2004 की धारा 43 में कहा गया है कि कोई परिषद, जब तक कि धारा 296 के तहत पहले भंग न कर दी जाए, अपनी पहली बैठक के लिए नियत तिथि से पांच वर्ष तक बनी रहेगी, इससे अधिक नहीं। दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव नगर परिषद (चुनाव) नियम, 2025 के नियम 22 में कहा गया है कि परिषद की अवधि समाप्त होने या उसके विघटन पर नई परिषद के गठन के उद्देश्य से आम चुनाव कराया जाएगा। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव निर्वाचन आयोग, केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण एवं दीव में सभी ग्राम पंचायतों (दीव जिले में 4 ग्राम पंचायतों को छोड़कर), सभी जिला पंचायतों, दमण नगर परिषद और सिलवासा नगर परिषद के लिए अगले आम चुनाव की तिथि घोषित की गई है। इन चुनावों के लिए संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में पंचायतों और नगर पालिकाओं के चुनावों में राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के मार्गदर्शन के लिए चुनाव आयोग दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव द्वारा 7 जून, 2000 को जारी आदर्श आचार संहिता के प्रावधान और इस विषय पर आयोग द्वारा बाद में जारी निर्देश लागू होंगे। इसके अतिरिक्त, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर आदर्श आचार संहिता पर जारी निर्देशों का भी पालन किया जाएगा। आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। सभी संबंधितों से अनुरोध है कि वे आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करें।

संघ प्रदेश श्रीडी स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव प्रक्रिया की रुपरेखा

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में ग्राम पंचायतों, जिला पंचायतों, दमण नगरपालिका, सिलवासा नगरपालिका एवं दीव जिले की ग्राम पंचायत के आम चुनावों के लिए 10.10.2025 शुक्रवार को अधिसूचना जारी होगी।

- **नामांकन दाखिल करने की तिथि शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025**
- **नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025**
- **नामांकन की जांच की तिथि शनिवार 18 शुक्रवार 2025**
- **उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि सोमवार 20 अक्टूबर 2025**
- **मतदान की तिथि बुधवार 05 नवंबर 2025**
- **चुनाव संपन्न होने की तिथि मंगलवार 11 नवंबर 2025**

भाजपा ने दमण जिले के पटलारा मंडल में किया कार्यकर्ता सम्मेलन

■ संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल और दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल ने कार्यकर्ताओं का किया मार्गदर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण, 09 अक्टूबर। संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा ने स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव के संबंध में गांवों में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित करने की प्रक्रिया शुरु की है। इसी के तहत आज दमण जिले के पटलारा मंडल में प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल और दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल की उपस्थिति में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल और जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल ने स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव के संबंध में कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। इस मौके पर दमण- दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल, दमण शहर भाजपा अध्यक्ष पीयूष पटेल, पटलारा मंडल अध्यक्ष विजय पटेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की उपस्थिति में

दादरा नगर हवेली के दादरा, देमणी, डोकमरडी एवं मसाट मंडल में हुआ कार्यकर्ता सम्मेलन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क सिलवासा, 09 अक्टूबर। संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा द्वारा दादरा नगर हवेली के सिलवासा शहर जिला एवं सिलवासा ग्रामीण जिला में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव प्रदेश भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, प्रदेश भाजपा महामंत्री सुनील पाटिल, सिलवासा ग्रामीण जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक प्रधान, सिलवासा शहर जिला भाजपा अध्यक्ष शांतू पुजारी की उपस्थिति में दादरा, देमणी, डोकमरडी एवं मसाट मंडल में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों ने स्थानीय स्वराज संस्था के चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। अलग-अलग मंडलों में आयोजित इन कार्यक्रमों में प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष धर्मेशसिंह चौहाण, भारती हलपति, इंद्रवदन पटेल, सुमनभाई पटेल, हार्दिक पुजारी, अनिल दीक्षित सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

संघ प्रदेश श्रीडी में मनाया गया विश्व दृष्टि दिवस 2025

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण, 09 अक्टूबर। विश्व दृष्टि दिवस प्रत्येक वर्ष अक्टूबर माह के दूसरे गुरुवार को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य आमजन में दृष्टि हानि की रोकथाम, नेत्र स्वास्थ्य और नियमित नेत्र जांच के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वर्ष 2025 का विषय अपनी आँखों से प्यार करें है, जो सभी को अपनी आँखों की देखभाल और नियमित जांच के लिए प्रेरित करता है। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण एवं दृष्टि दोष निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत 9 अक्टूबर 2025 को विभिन्न जनजागरूकता और नेत्र स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की गई हैं। जिसमें दमण जिले के जिला अस्पताल मोटी दमण, पीएचसी कचीगाम, पीएचसी दाभेल और जिला अस्पताल दीव में सुबह 9:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक नेत्र जांच शिविर आयोजित किए गए। सामुदायिक जागरूकता अभियान के तहत आशा, एएनएम एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा समुदाय स्तर पर नेत्र स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी देना है। रेडियो वाता के दौरान नेत्र सुरक्षा, स्क्रीन टाइम में कमी, विटामिन ए युक्त आहार तथा मधुमेह और उच्च रक्तचाप के रोगियों में नियमित रेटिना जांच के महत्व पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। औद्योगिक इकाइयों, वस्तियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आउटरीच कार्यक्रम के तहत टेली-मनोस सेल एवं मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा विशेष जागरूकता सत्र और सोशल मीडिया अभियान के तहत नेत्र स्वास्थ्य से जुड़ी उपयोगी जानकारियों का ऑनलाइन प्रसार शामिल है। स्वास्थ्य विभाग आम नागरिकों से अपील करता है कि वे इन नेत्र जांच शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और अपनी दृष्टि की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

मुंबई एयरपोर्ट पर 21.78 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, तस्कर गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों में से एक मुंबई एयरपोर्ट पर दुनिया भर से यात्री आते हैं। इसलिए एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहती है। इसके अलावा, चूंकि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, इसलिए एयरपोर्ट पर सुरक्षा की भी हमेशा समीक्षा होती रहती है। यहां अक्सर सोने या ड्रग्स जैसी वस्तुओं की तस्करी होती है। अब, यह खुलासा हुआ है कि खजूर के पैकेट से कोकीन की तस्करी की जा रही है। दरअसल एयरपोर्ट के सुरक्षा गार्डों ने एक खजूर के पैकेट से 2 किलो 178 ग्राम कोकीन जब्त किया है और इसकी मौजूदा बाजार कीमत 21.78 करोड़ रुपये है। बताया गया है कि तस्करों द्वारा खजूर के पैकेट से खजूर निकालकर, खजूर से बीज निकालकर और उनमें कोकीन भरकर तस्करी करने की कोशिश की थी। हालांकि, मुंबई एयरपोर्ट पर इस साजिश का पर्दाफाश हो गया। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 21.78 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन की जब्ती को हवाई अड्डा सुरक्षा और पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की यह एक बड़ी कार्रवाई है और सुरक्षा एजेंसियों ने 2 किलो 178 ग्राम कोकीन जब्त की है। बताया गया है कि सिएरा लियोन से आए यात्री के साथ कोकीन की डिलीवरी लेने आए एक शख्स को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि जब्त पाउडर कोकीन है, जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। अब यह जांच की जा रही है कि कोकीन कहां से लाया गया था और कहां ले जाया जा रहा था। इसके अलावा, पुलिस भारत में इस तस्करी के कनेक्शन की भी जांच कर रही है।

कैबिनेट की मंजूरी, कर्नाटक में महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य और कार्यस्थल पर समानता को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य कैबिनेट ने मैन्स्ट्रुअल लीव पॉलिसी-2025 को मंजूरी दे दी है। नई नीति के तहत राज्यभर में कार्यरत सभी महिलाओं को हर महीने एक दिन की सवेतन (पेड) पीरियड लीव मिलेगी। यह नीति अब आधिकारिक रूप से लागू कर दी गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस सुविधा का लाभ केवल सरकारी कर्मचारियों को ही नहीं, बल्कि वस्त्र उद्योग, बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी), आईटी सेक्टर और अन्य निजी संस्थानों में काम करने वाली महिलाओं को भी मिलेगा। राज्य के श्रम मंत्री संतोष ने बताया कि यह प्रस्ताव गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में पारित किया गया। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला ऐसा व्यापक कानून है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य, कल्याण और कार्यस्थल पर उनके अधिकारों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में सरकार ने एक साल में छह पीरियड लीव देने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर हर महीने एक दिन यानी सालाना 12 दिन कर दिया गया है। सरकार का मानना है कि यह नीति महिलाओं की कार्यक्षमता, मानसिक स्वास्थ्य और समावेशी कार्यसंस्कृति को मजबूत करेगी।

20 बच्चों की मौत के मामले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप कंपनी का लाइसेंस रद्द

चेन्नई (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप से 20 बच्चों की मौत के बाद, तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमण्यम ने गुरुवार को बताया कि कंपनी का लाइसेंस अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है और जांच के बाद इसे स्थायी रूप से रद्द कर दिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट में छिंदवाड़ा एसपी के मुताबिक कंपनी के मालिक रंगनाथन को चेन्नई की कोर्ट में पेश किया जाएगा और ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के बाद छिंदवाड़ा लाया जाएगा। इस बीच मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने बुधवार को बताया कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से मध्य प्रदेश में 20 बच्चों की मौत हुई है। पांच का इलाज चल रहा है। इन 20 बच्चों में से 17 छिंदवाड़ा जिले के, दो बैतूल और एक पांढुर्ना जिले का है। डिप्टी सीएम शुक्ला ने कहा कि इस घटना को लेकर राज्य सरकार सख्त है। छिंदवाड़ा से पुलिस की टीमें कोल्ड्रिफ निर्माण कंपनी के मालिक रंगनाथन को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में सख्त कार्रवाई की जा रही है। बता दें डॉक्टरों के एक समूह और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को छिंदवाड़ा जिले में एक विरोध प्रदर्शन किया और सरकारी डॉक्टर प्रवीण सोनी की रिहाई की मांग की, जिन्हें हाल ही में जिले में कथित तौर पर कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के मामले में जेल भेजा गया था।

पुलिस ने दिल्ली में 28 बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया, डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पूर्व जिला पुलिस के बांग्लादेशी प्रकोष्ठ ने दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 28 बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई बढ़ती अवैध प्रवास की चिंताओं को देखते हुए की गई, जिसमें बिना वैध दस्तावेज के रह रहे लोगों की पहचान और निर्वासन पर जोर दिया गया। पुलिस उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन अवैध प्रवासियों को दिल्ली के विभिन्न इलाकों में झुग्गी-झोपड़ियों, श्रमिक शिविरों और अनधिकृत कॉलोनियों से हिरासत में लिया है। पुलिस ने मुखबिरों की मदद से खुफिया जानकारी जुटाई और अवैध तरीके से भारत आने वाले रास्तों की पहचान की। पुलिस टीम ने फील्ड इंटेलिजेंस, मुखबिर नेटवर्क और स्थानीय पूछताछ का सहारा लिया। सत्यापन अभियान चलाकर कड़ी निगरानी की, जिसके बाद 28 लोगों को हिरासत में लिया। पूछताछ में पता चला कि ये पश्चिम बंगाल की खुलना सीमा से अवैध तरीके से भारत आए थे और उनके साथ कई अन्य अज्ञात लोग भी शामिल हो सकते हैं। इनमें से किसी के पास भी वैध दस्तावेज नहीं मिले। गिरफ्तार किए गए सभी प्रवासियों को अस्थायी हिरासत केंद्र में रखा गया है, जहां उनके निर्वासन की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक ये लोग अकुशल मजदूर हैं जो कूड़ा बीनने, खेतिहर काम या अनौपचारिक व्यवसायों में लगे थे।

पार्टी आपकी आभारी है और हम इस समर्थन को बेकार नहीं जाने देंगे

-बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांशीराम की पुण्यतिथि पर की लखनऊ में बड़ी रैली

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ की सड़कों पर हर तरफ नीले झंडे, पोस्टर और बैनर दिखाई दे रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती गुरुवार को लखनऊ में कांशीराम की पुण्यतिथि पर एक बड़ी रैली कर रही हैं। उन्होंने इस दौरान कांशीराम को श्रद्धांजलि दी। अपार संख्या में पहुंचे लोगों और कार्यकर्ताओं-समर्थकों का मायावती ने आभार जताते हुए कहा कि जनता ने इस बार जबरदस्त समर्थन दिखाया है। साथ ही योगी सरकार की सराहना की तो वहीं समाजवादी पार्टी पर जमकर तीखा हमला बोला।

मायावती ने कहा कि आज का जनसमूह यह दिखाता है कि हमने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। पार्टी आपकी आभारी है और हम इस समर्थन को बेकार नहीं जाने देंगे। इसके अलावा उन्होंने लखनऊ के स्मारकों और पार्कों के रखरखाव का मुद्दा उठाया और कहा कि जब उनकी सरकार ने कांशीराम के सम्मान में यह स्मारक बनवाए थे, तो एक व्यवस्था की गई थी कि यहां आने वाले दर्शकों से जो टिकट का पैसा लिया जाएगा, वह इन्हीं स्मारकों के रखरखाव पर खर्च होगा।

मायावती ने सत्ताधारी यूपी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सीएम योगी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि टिकट से मिलने वाला पैसा इन स्थलों के रखरखाव में लगाया जाए। बीजेपी सरकार ने इस पर सकारात्मक रुख अपनाया और मरम्मत का पूरा खर्च उठाया। इसके लिए हम उनका आभार जताते हैं। सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब अखिलेश यादव सत्ता में होते हैं तो न उन्हें कांशीराम याद आते हैं, न ही पीडीए। सत्ता से बाहर होते ही उन्हें ये सब याद आने लगता है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि अगर सपा को कांशीराम जी से इतना ही सम्मान था, तो अलीगढ़ मंडल में जो ज़िला कांशीराम जी के नाम पर बनाया गया था, सपा सरकार आते ही उसका नाम क्यों बदल दिया गया? हमने कांशीराम जी के नाम पर कॉलेज, यूनिवर्सिटी और जनकल्याण योजनाएं शुरू की, लेकिन सपा का रवैया हमेशा से दोहरा रहा है- ना नीयत साफ है, ना नीति।

मायावती ने कहा कि जब सत्ता में रहते हैं तो उन्हें न तो पीडीए याद आता है और न ही कोई पुण्यतिथि। लेकिन जब सपा सत्ता से बाहर हो जाती है तो उन्हें संगोष्ठी की याद आती है। मैं अखिलेश से पूछना चाहती हूं कि यदि कांशीराम जी के प्रति आपका इतना ही आदर सम्मान था तो जब उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार थी और हमने अलीगढ़ मंडल में कासगंज नाम से एक जिला बनाया और उस जिले का नाम कांशीराम जी के नाम पर रखा गया था। समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आते ही उसका नाम क्यों बदल दिया? हमने कांशीराम जी के नाम पर अनेकों संस्थानों के नाम रखें, अनेक योजनाएं शुरू की जिसे समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आते ही बंद कर दियाज्यह उनका दोहरा चरित्र नहीं है तो क्या है?

मायावती ने कहा कि मरने से पहले कांशीराम जी की दिली तमन्ना थी कि जहां दलितों और अन्य उपेक्षित वर्गों की आबादी ज़्यादा है तो अकेले ही अपने दम पर पूरे दम से सरकार बनानी होगी, लेकिन दुख की बात ये है कि कांशीराम के जीते जी तो इनका ये सपना साकार नहीं हो सका था तो 2007 में हमने बहुजन समाज के अेकेले पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई, इससे पहले हमने मिली जुली सरकार बनाई, लेकिन चौथी बार हमने यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

उन्होंने कहा कि ये बीजेपी, कांग्रेस सपा और दूसरे जातिवादी दलों को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा, जबकि इससे पहले केंद्र की बीजेपी सरकार ने मेरे, भाई बहन, रिश्तेदारों पर जबदस्ती गलत केस लगाकर आईटी और सीबीआई को पीछे लगाकर छवि को धूमिल करने का काम किया, कांग्रेस ने भी हमें राहत देने की बजाय का उलझा दिया। ऐसे हालातो में भी हमने डॉ. अंबेडकर के बताए रास्तों पर चलते हुए 2007 में अपनी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

भारत के स्टार क्रिकेटर को अंडरवर्ल्ड से धमकी, 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी

मुंबई (एजेंसी)। एशिया कप जीतने वाले भारत के स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड ने धमकी देते हुए उनसे 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। मुंबई पुलिस ने रिंकू को धमकी देने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि रिंकू सिंह को पहले भी धमकी मिल चुकी है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बताया कि रिंकू सिंह को यह धमकी किसी और की नहीं, बल्कि

मोस्ट वांटेड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के गिरोह यानी डी-कंपनी की तरफ से आई है। फरवरी से अप्रैल 2025 के बीच रिंकू की प्रमोशनल टीम को तीन धमकी भरे मैसेज भेजे गए थे। रिंकू सिंह को इस साल तीन बार धमकियां मिलीं। धमकी भरे मैसेज रिंकू सिंह को नहीं, बल्कि उनकी प्रमोशनल टीम को भेजे गए थे। क्राइम ब्रांच ने बताया कि यह मामला किसी बड़े रैकेट से जुड़ा है। क्योंकि जीशान सिद्दीकी को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले थे। रिंकू सिंह को धमकी देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने धमकी देने की बात कबूल कर ली है। इससे पहले, जीशान सिद्दीकी के पिता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद उन्हें धमकी दी गई थी और 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी। इस मामले में इंटरपोल की मदद से मोहम्मद दिलशाद और मोहम्मद नवीद को त्रिनिदाद और टोबैगो से पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जीशान को ये धमकी भरे ईमेल 19 से 21 अप्रैल के बीच मिले थे। इनमें उन्हें यह भी चेतावनी दी गई थी कि अगर उन्होंने फिरौती नहीं दी, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

केदारनाथ में टूटा 2024 का रिकॉर्ड, श्रद्धालुओं की संख्या 16.56 लाख के पार

-पिछले वर्ष पूरे यात्रा काल में पहुंचे थे 16 लाख 52 हजार 76 यात्री

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा फिर रफ्तार पकड़ गई है। बारिश और बर्फबारी के बावजूद यात्रियों में भारी उत्साह बना हुआ है। केदारनाथ यात्रा ने नया रिकॉर्ड बनाया है। आज बुधवार को यहां श्रद्धालुओं की संख्या 16 लाख 52 हजार के पार पहुंच गई, जबकि अभी धाम कपाट बंद होने में 14 दिन का समय बचा है। वर्ष 2024 में पूरे यात्रा काल में 16 लाख 52 हजार 76 यात्री केदार दर्शन के लिए पहुंचे थे। बुधवार को केदारनाथ धाम में 5614 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। केदार धाम के कपाट आगामी 23 अक्टूबर को भैया दूज के अवसर पर बंद होंगे। अभी यात्रा 15 दिन और चलेगी। इस प्रकार यहां यात्रियों की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया है। बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में भी अब यात्रियों की संख्या बढ़ी है। प्रदेश सरकार की ओर से श्रद्धालुओं के उत्साह को देखते हुए सुरक्षित यात्रा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यात्रा मार्ग में सुरक्षा जवानों की तैनाती की गई है। यात्रा मार्ग पर यातायात सुचारू बना रहे, इसके लिए भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर मलबे की सफाई के लिए जेसीबी की व्यवस्था की गई है। बता दें कि इस वर्ष 30 अप्रैल को गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का आगाज हो गया था। इसके बाद दो मई को केदारनाथ और चार मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए थे। मानसून सीजन में अतिवृष्टि, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के चलते चारधाम यात्रा बुरी तरह प्रभावित हुई है। प्रकृति की विनाशलीला में गंगोत्री धाम का महत्वपूर्ण पड़ाव धराली बुरी तरह तबाह हो गया। मार्ग बुरी तरह तहस-नहस हो जाने से गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा को रोकना पड़ा था। बारिश थमने पर भी यहां यात्रा को बहाल करना बड़ी चुनौती था, लेकिन शासन-प्रशासन की टीमों ने युद्धस्तर पर कार्य कर आम जनजीवन की बहाली के साथ ही यात्रा मार्गों को सुचारू किया। दोनों धामों की यात्रा भी सुरक्षा इंतजामों के साथ शुरू हो गई। प्रशासन की ओर से यात्रियों को अभी भी एहतियात बरतने की सलाह दी गई है। यात्रियों को बार-बार आगाह किया गया है कि मौसम खराब होने पर यात्रा करने से बचें। यदि यात्रा मार्ग में हैं, तो सुरक्षित स्थान पर शरण लें। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी जिलाधिकारियों से कहा है कि श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी यात्रा मार्गों पर आवश्यक यात्री सुविधाओं और सुरक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। सभी जिम्मेदार अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखा जाए।

आईपीएस अफसर आत्महत्या मामले में डीजीपी और एसपी की हो गिरफ्तारी

-मृतक पूरन कुमार की पत्नी आईएएस अमनीत ने लगाए गंभीर आरोप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या मामले ने जोर पकड़ लिया है। अफसर की आत्महत्या के दौरान जापान गईं उनकी पत्नी अमनीत पी कुमार भारत लौट आई हैं और उन्होंने इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस को शिकायत दी है। हरियाणा कैडर की आईएएस अमनीत ने अपनी शिकायत में डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया पर आरोप लगाया है कि वे पति का उत्पीड़न कर रहे थे। इसके चलते उन्होंने खुदकुशी की।

अमनीत ने मांग की है कि हरियाणा के डीजीपी और रोहतक के एसपी के खिलाफ एससी-एसटी ऐक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाए। आईपीएस वाई पूरन कुमार दलित समाज से आते थे। उन्होंने हाल ही में रोहतक की सुनारिया जेल की जिम्मेदारी मिली थी और आईजी की पोस्ट पर तैनात थे। उन्होंने खुद को चंडीगढ़ के सेक्टर 11 स्थित आवास पर खुद को गोली मार ली थी।

आईएएस अफसर और पूरन की पत्नी अमनीत ने दावा किया है कि उनके पति ने सुसाइड नोट में मांग की है कि डीजीपी और रोहतक के एसपी के खिलाफ मामला दर्ज हो और उन्हें गिरफ्तार किया जाए। अमनीत ने अपनी शिकायत में लिखा है कि मेरे पति जो बेहद ईमानदारी थे। वह घर में गोली लगने से मृत पाए गए। आधिकारिक रूप से इसे आत्महत्या कहा जा रहा है, लेकिन मेरी आत्मा कहती है कि यह उनका लगातार उत्पीड़न होने का परिणाम है।

अमनीत ने आरोप लगाया कि उनके पति का सालों से उत्पीड़न किया जा रहा था। उन्हें सीनियर अधिकारी व्यक्तिगत तौर पर परेशान करते थे और इन लोगों में डीजीपी शत्रुजीत कपूर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पति बताते थे कि जाति के आधार पर उनके खिलाफ भेदभाव हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया था कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है और किसी मामले में उन्हें फंसाया जा सकता है। ऐसा डीजीपी के इशारे पर हो रहा है।

यही नहीं अमनीत ने रोहतक के अर्बन एस्टेट पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर को भी गलत बताया। उन्होंने कहा कि 6 अक्टूबर को जो एफआईआर दर्ज की गई थी, वह गलत है। इसमें उनके पति के स्टाफ में शामिल सुशील कुमार का इस्तेमाल किया गया।

अमनीत ने कहा कि उनके पति को इस मामले में फंसाया गया और इसके चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि उनके पति पूरन कुमार ने इस मामले को लेकर डीजीपी शत्रुजीत कपूर से बात की थी, लेकिन उन्होंने नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा कि

पूरन ने इसके बाद रोहतक के एसपी से भी बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि इस मामले में डीजीपी और रोहतक के एसपी की गिरफ्तारी होनी चाहिए और इंसाफ मिलना चाहिए।

टीवीके प्रमुख विजय के आवास पर बम की धमकी... पुलिस ने घर का एक-एक कोने की तलाशी ली

-कॉल करने वाले की पहचान करने की तैयारी में जुटी पुलिस

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के नीलंकरई में अभिनेता से नेता बने टीवीके प्रमुख विजय के आवास पर गुरुवार सुबह बम की धमकी भरा कॉल मिलने से हड़कंप मच गया। एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को मोबाइल फोन पर संपर्क कर बम होने की सूचना देकर कॉल काट दी। हालांकि सघन जांच के बाद यह अफवाह निकली। बम की सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ते मौके पर पहुंचे और विजय के आवास की गहन तलाशी ली। तलाशी में पुलिस को कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि धमकी भरा कॉल फर्जी था। पुलिस ने कॉल करने वाले की पहचान और स्थान का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। मामले की गहन छानबीन जारी है। इसके पहले 28 सितंबर को विजय को धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे। विजय को मिले मेल की जांच के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों की टीम ने मामले की गंभीरता को देखकर कार्रवाई शुरू कर दी। बम स्क्वायड की टीम को बुलाया गया। स्निफर डॉग्स की मदद से विजय के घर की जांच पड़ताल की गई। सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई कई घंटे चली। जांच के बाद कोई संदिग्ध या खतरनाक वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने साफ किया था कि भेजा गया धमकी वाला ईमेल केवल एक धोखा था, इसका मकसद अफरातफरी फैलाना था। यह ईमेल किसने और क्यों भेजी, इस बारे में अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस की साइबर सेल मामले की तहकीकात कर रही है ताकि जल्द ही दोषियों को पकड़ा जा सके। इस बीच गुरुवार को फिर बम की धमकी का कॉल प्राप्त होना, पुलिस और सुरक्षाबलों के लिए चुनौती है। हालांकि जांच में कॉल फर्जी निकली है, लेकिन पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार जांच की जा रही है कि कॉल करने वाला कौन था। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ा जाएगा।

नए उपराष्ट्रपति की पहली ही बैठक में विपक्ष ने सत्तारुढ़ बीजेपी को घेरा

संसद में सरकार विपक्ष की आवाज दबा रही और सवालों से बच रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की अध्यक्षता में बुलाई गई राज्यसभा फ्लोर लीडर्स की बैठक में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। बैठक में विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह संसद में विपक्ष की आवाज दबा रही है और सवालों से बच रही है। बैठक में राज्यसभा में नेता जेपी नड्डा भी मौजूद थे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद जॉन ब्रिटास ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह विपक्ष के सवालों से बचती है और पारदर्शिता से काम करने से इनकार करती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे सवालों की अनुमति तक नहीं देती, जिनकी जानकारी आम जनता सूचना का अधिकार के जरिए भी हासिल कर सकती है। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने नए

संसद भवन की लागत से जुड़ा एक सवाल पूछा था, जिसे अनुमति नहीं दी गई। इसी तरह, पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर पूछे गए सवाल को गोपनीय बताकर अस्वीकृत कर दिया, जबकि ऐसी जानकारी तेल कंपनियों के संगठन खुद सार्वजनिक रूप से जारी करते हैं।

विपक्षी नेताओं का कहना है कि संसद में सरकार द्वारा सूचना साझा करने में हिचकिचाहट बढ़ रही है। कई बार ऐसे मुद्दों पर भी सवाल रोके जा रहे हैं जो सीधे जनता से जुड़े होते हैं। एक विपक्षी नेता ने कहा कि जब संसद ही जवाब मांगने का सर्वोच्च मंच है और अगर वहां भी सवाल नहीं पूछे जा सकते तो फिर जवाबदेही कहां होगी?

सूत्रों के मुताबिक बैठक में बीजेपी नेताओं ने विपक्ष के आरोपों पर स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि सभी प्रश्न संसद के नियमों और प्रक्रियाओं के मुताबिक ही स्वीकार किए जाते हैं। बता दें पिछले कुछ सत्रों में संसद में सवालों की अस्वीकृति और विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर बार-बार विवाद हुआ है। विपक्ष का कहना है कि इससे संसद का लोकतांत्रिक चरित्र कमजोर हो रहा है, जबकि सरकार का तर्क है कि वह सदन में सद्भावना और अनुशासन बनाए रखने की कोशिश कर रही है।

जजों को कोर्ट में कम बोलना चाहिए, प्रवचन या उपदेश नहीं देने चाहिए

-पूर्व जज ने सीजेआई गवई को ही जूता फेंकने की घटना का जिम्मेदार बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने भारत के सीजेआई बीआर गवई को ही जूता फेंके जाने वाली घटना का जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को कोर्ट में कम बात करनी चाहिए प्रवचन नहीं देने चाहिए। वकील राकेश किशोर ने कोर्ट में ही सीजेआई गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। किशोर का दावा था कि वह सीजेआई की टिप्पणियों से आहत था।

पूर्व जज काटजू ने एक्स पर लिखा- मैं सीजेआई पर जूते फेंके जाने की निंदा करता हूं, लेकिन उन्होंने खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए खुद ही इस घटना को न्योता दिया था। उन्होंने कहा था कि आप कहते हैं कि आप विष्णु के बहुत बड़े भक्त हैं। जाएं और जाकर देवता से कहें कि वह खुद ही कुछ करें। उन्होंने आगे लिखा कि ऐसी टिप्पणियों की कोई जरूरत नहीं थी, ये अनुचित थीं और गैर जरूरी थीं। इसका मामले के कानूनी मुद्दों से कोई लेना देना नहीं था। जजों को कोर्ट में कम बोलना चाहिए, प्रवचन, उपदेश नहीं देने चाहिए।

वहीं वकील राकेश किशोर ने सीजेआई गवई को लेकर कहा कि बात यह है कि मैं बहुत ज्यादा आहत हुआ कि 16 सितंबर को चीफ जस्टिस की कोर्ट में किसी व्यक्ति ने जनहित याचिका लगाई थी। तो गवई साहब ने पहले तो उसका पूरी तरह से मजाक उड़ाया। सीजेआई ने यह कहा कि आप मूर्ति से प्रार्थना करो जाकर, मूर्ति से कहो कि अपना सिर खुद दोबारा बना ले। किशोर ने कहा कि ठीक है उस आदमी को रिलीफ नहीं देनी थी, तो मत दीजिए,

लेकिन ऐसा मजाक भी मत कीजिए। फिर उससे कहा कि आप उसी मूर्ति के सामने जाकर ध्यान लगाएं। अन्याय यह किया कि उसकी याचिका को खारिज भी कर दिया। इन चीजों को लेकर आहत था।

बेंगलुरु पुलिस ने वकील किशोर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि अखिल भारतीय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष भक्तवचला की शिकायत के बाद वकील राकेश किशोर के खिलाफ कई धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान-बांग्लादेश बढ़ा रहे अपनी सैन्य ताकत

-अमेरिका देगा घातक मिसाइल, तो चीन देगा लड़ाकू विमान!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान में तनाव जारी है। साथ ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भी अपदस्थ पीएम शेख हसीना को लेकर भारत पर निशाना साध रही है। ऐसे में ये दोनों पड़ोसी देश अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। एक ओर जहां पाकिस्तान को अमेरिका एडवांस और घातक मिसाइल देने की बात कह रहा है। वहीं, चीन से बांग्लादेश को लड़ाकू विमान मिलने के आसार हैं। हालांकि इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के युद्ध मंत्रालय की ओर से हाल ही में अधिसूचित एक हथियार अनुबंध में एआईएम-120 अमराम मिलसाइलें के खरीदारों में पाकिस्तान का भी नाम शामिल है। अधिसूचना में कहा गया है कि इस अनुबंध में ब्रिटेन, पोलैंड, पाकिस्तान, जर्मनी, फिनलैंड, ऑस्ट्रेलिया, रोमानिया, कतर, ओमान, कोरिया, यूनान, स्विट्जरलैंड, पुर्तगाल, सिंगापुर, नीदरलैंड, चेक गणराज्य, जापान, स्लोवाकिया, डेनमार्क, कनाडा, बेल्जियम, बहरीन, सऊदी अरब, इटली, नॉर्वे, स्पेन, कुवैत, फिनलैंड, स्वीडन, ताइवान, लिथुआनिया, इजरायल, बुल्गारिया, हंगरी और तुर्की को विदेशी सैन्य बिक्री शामिल है।

वहीं बांग्लादेश ने 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत से चीन निर्मित 20 जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बनाई है। मीडिया रिपोर्ट में सरकारी दस्तावेजों के हवाले से कहा गया है कि इस सौदे में प्रशिक्षण, रखरखाव और अन्य संबंधित खर्च भी शामिल है। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश को ये लड़ाकू विमान 2026 और 2027 में बांग्लादेशी वायु सेना के आधुनिकीकरण और राष्ट्रीय हवाई रक्षा को मजबूत करने के लिए मिलेंगे। इस सौदे पर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बता दें साल 2020 में गलवान में हुई सैन्य झड़प के बाद से ही भारत और चीन के रिश्तों में तनाव आ गया था। बाद में दोनों मुल्कों ने डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया शुरू की थी। फिलहाल, दोनों पक्ष तनाव कम करने की संभावनाएं जता रहे हैं। अगस्त में एससीओ की बैठक में पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात भी की थी।

इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, जो पाकिस्तान और चीन के मुकाबले काफी ज्यादा है। रूसी तेल की खरीद को लेकर अमेरिका भारत को निशाना बना रहा है। जबकि चीन भी रूसी तेल का बड़ा खरीददार है। साथ ही भारत ने साफ किया है कि अमेरिका और यूरोपीय संघ भी रूस से व्यापार करते हैं। खबरें है कि अमेरिका ने जी7 देशों से अपील की है कि रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर भारी टैरिफ लगाया जाए।

भारत और ब्रिटेन नेचुरल पार्टनर, रिश्तों में हुई उल्लेखनीय प्रगति: पीएम मोदी

मुंबई (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुंबई स्थित राजभवन में अपने समकक्ष कीर स्टार्मर का स्वागत किया। इस दौरान, दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की प्रक्रिया के तहत एक बैठक हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पीएम स्टार्मर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस साल जुलाई में मेरी ब्रिटेन यात्रा के दौरान हम दोनों ने ऐतिहासिक कंप्रिहेंसिव इकोनॉमिक और ट्रेड एग्रीमेंट पर सहमति बनाई। समझौते के कुछ ही महीनों में आपका (स्टार्मर) यह भारत दौरा और आपके साथ आया अब तक का सबसे बड़ा बिजनेस डेलिगेशन, भारत-ब्रिटेन साझेदारी में आई नई ऊर्जा और व्यापक दृष्टि का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान भारत और ब्रिटेन को नेचुरल पार्टनर बताया। उन्होंने कहा, हमारे संबंधों की नींव में डेमोक्रेसी, फ्रीडम और रूल ऑफ लॉ जैसे मूल्यों में साझा विश्वास है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह बहुत खुशी की बात है कि अब ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटीज भारत में कैंपस खोलने जा रही हैं। साउथेम्प्टन यूनिवर्सिटी के गुरुग्राम कैंपस का हाल ही में उद्घाटन हुआ है और छात्रों का पहला बैच प्रवेश भी ले चुका है। पीएम मोदी ने बताया कि हम दोनों ने मिलिट्री ट्रेनिंग में सहयोग पर समझौता किया है। इसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स में ट्रेनर्स के रूप में काम करने वाले है।

भारत-ब्रिटेन के बीच शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में हुए समझौते

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुंबई में ब्रिटेन के अपने समकक्ष कीर स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस मुलाकात के दौरान भारत और ब्रिटेन के बीच विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौते हुए। तकनीक और इनोवेशन सेक्टर में चार प्रमुख समझौते हुए हैं, जिसमें भारत-यूके कनेक्टिविटी और इनोवेशन सेंटर की स्थापना, एआई के लिए भारत-यूके के ज्वाइंट सेंटर की स्थापना, यूके-भारत क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी के फेज-टू की शुरुआत और आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में एक नया सैटेलाइट कैंपस बनाना शामिल है। इसके साथ ही, ग्रीन टेक्नोलॉजी और सप्लाई चेन की मजबूती के लिए क्रिटिकल मिनरल्स इंडस्ट्री गिल्ड की स्थापना पर भी समझौता हुआ है। शिक्षा क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण समझौतों पर सहमति हुई, जिसमें लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी का बेंगलुरु में कैंपस खोलने के लिए लेटर ऑफ इंटेंट का हस्तांतरण और यूनिवर्सिटी ऑफ सरी का गुजरात की जीआईएफटी सिटी में कैंपस खोलने के लिए मंजूरी शामिल है। इतना ही नहीं ट्रेड और निवेश के क्षेत्र में तीन समझौते हुए, इसमें पुनर्गठित भारत-यूके सीईओ फोरम की उद्घाटन बैठक, भारत-यूके संयुक्त आर्थिक व्यापार समिति (जेईटीसीओ) का पुनर्गठन, जो सीईटीए के कार्यान्वयन में सहायता करेगा और दोनों देशों में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा। क्लाइमेट टेक्नोलॉजी स्टार्टअप फंड में एक ज्वाइंट निवेश, जो जलवायु प्रौद्योगिकी और एआई जैसे क्षेत्रों में इनोवेटिव एंटरप्रेन्योर्स को समर्थन देने के लिए ब्रिटेन सरकार और भारतीय स्टेट बैंक के बीच समझौता ज्ञापन के तहत एक रणनीतिक पहल है। इसके अलावा, क्लाइमेट, हेल्थ और रिसर्च सेक्टर में भी तीन महत्वपूर्ण पहलें हुईं, जिसमें बायो-मेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम के फेज-थर्ड का शुभारंभ और ऑफशोर विंड टास्कफोर्स की स्थापना शामिल है। इसके अलावा, भारत के आईसीएमआर और ब्रिटेन के एनआईएचआर के बीच हेल्थ रिसर्च पर लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर शामिल हैं।

परिणीता का श्रृंगार : तेरे प्रति मेरा प्यार

डॉ. रीना रवि मालपानी
कवयित्री एवं लेखिका

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, 09 अक्टूबर। करवाचौथ का पावन पर्व एक अप्रतिम, अद्वितीय रिश्ते की सुंदरता का स्मरण कराता है, जिसमें एक-दूसरे को समझने से लेकर एक-दूसरे को अपनाने तक का भाव निहित होता है। कैसे किसी के प्रेम को सर्वस्व मानकर सहर्ष सुख-दुःख का अनुभव किया जाता है। किस प्रकार एक व्यक्ति में पूरी दुनिया की खुशियाँ सिमट जाती है। अविश्वास से भरी दुनिया में ऐसे विश्वास से भरे जीवन साथी का मिलना एक परम सौभाग्य की निशानी है। ऐसा हमसफर जो आपके भावों के अनकहे स्वर को समझकर अभिव्यक्ति देता है, जो डगमगाते कदमों को थामकर उसमें नवीन ऊर्जा संचारित करके फिर से जीवन का पथ प्रदर्शन करता है। अनुकूल जीवन साथी मिलना तो मनुष्य जीवन में प्रेम की यात्रा को सरलता एवं पूर्णता से पूर्ण कराने की ओर अग्रसर होता है। प्रेम की अभिव्यक्ति तो अत्यंत सरल है, परंतु प्रेम के प्रति समर्पण अत्यंत कठिन है। गृहस्थी की यात्रा में जीवन की असली रौनक धन एवं बाहरी संसाधनों पर निर्भर नहीं बल्कि निश्छल प्रेम में प्रतीत होती है। निशाकर का इंतज़ार, तेरे प्रति मेरा प्यार। परिणीता का श्रृंगार, तेरे प्रति मेरा प्यार। व्योम का निहार, तेरे प्रति मेरा प्यार। कुमुदकला का निखार, तेरे प्रति मेरा प्यार। ईश्वरीय लीला में प्रेम के प्रति समर्पण शिव और सती के चरित्र में दृष्टिगोचर होता है। शिव सती के प्रति समर्पित थे और सती शिव के प्रति। शिव के निरादर के कारण सती ने आत्मदाह कर लिया और सती के कारण शिव उनके शव को लेकर व्याकुल होकर यत्र-तत्र विचरण करने लगे। ऐसा ही अनूठा प्रेम हमें श्री राम एवं सीता के चरित्र में दिखता है। जिन सीता माता ने भगवान श्री राम को स्वर्ण मृग पर मोहित होकर लाने की इच्छा प्रकट की उन्हीं माता ने स्वर्ण लंका को तुच्छ मानकर उसका तिरस्कार किया। प्रभु श्री राम जानते थे कि स्वर्ण का कोई मृग नहीं होता परंतु अपनी अर्धांगिनी की इच्छा पूर्ति के लिए वे वन की ओर गए। जब प्रभु श्री राम और माता सीता वनवास का समय व्यतीत कर रहे थे तो उस परिस्थिति में भी श्री राम, माता सीता को पुष्पों की श्रृंगार सामाग्री भेंट किया करते थे। कृष्ण, राधा के प्रेम में राधा ने सदैव कृष्ण से निःस्वार्थ प्रेम किया। राधा ने कभी द्वारिकाधीश राजा से प्रेम नहीं किया बल्कि उस कृष्ण कन्हैया से प्रेम किया जो गौ चराया करता था। जो माखन चोर था। जो गोपियो के साथ रास रचाता था और जो मुरली मनोहर था। राधा, कृष्ण के प्रति समर्पित थी और इस समर्पण में सदैव कृष्ण की प्रसन्नता ही प्रमुख थी और कृष्ण भी सदैव राधा के नाम के स्मरण से प्रफुल्लित होते है, इसलिए उन्होंने अपनी आराधना और जीवन में राधा को सर्वोच्च स्थान दिया।

प्रभा का आधार, तेरे प्रति मेरा प्यार। दीर्घायु कीचाह, तेरे प्रति मेरा प्यार। सुहृद का स्वरुप, तेरे प्रति मेरा प्यार। क्षुधा की पुकार, तेरे प्रति मेरा प्यार।

अखंड सौभाग्य के प्रतीक इस त्यौहार में नारी के मस्तक पर शोभित बिंदी मुखमंडल की शोभा बढ़ाती है। जुड़ा, गजरा, चूड़ी सभी अलंकार से वह अपने आप को सुशोभित करती है। सोलह श्रृंगार से उत्साह और उमंग के नवीन पुष्प हृदय में पल्लवित होते है। श्रृंगार की मनमोहिनी छवि से वह अपने आप को संवारती है। प्रेम ही जीवन में सौन्दर्य को प्रकाशित करता है। नारी चाहती है कि उसके पति उसकी खामोशी, अल्हड़पन, जिद, हँसना, रोना, हर मनोभाव को समझे और प्रत्येक परिस्थिति में वह उसके प्रेम को ही सर्वोपरि ही माने। प्रेम पूर्णतः एहसासों की अभिव्यक्ति है। मौन होकर यदि शब्दों को प्रतिपादित किया जा सकें तो यह प्रेम का यथार्थ स्वरूप है। प्रेम में व्यक्ति को समभाव से अपनत्व प्रदान किया जाता है। गुण एवं दोषों से परे केवल उसमे प्रेम ही सर्वस्व होता है। जीवन साथी की बुराइयों एवं कमियों को भी समय के साथ-साथ अच्छाइयों में परिवर्तित करने की शक्ति प्रेम में है। प्रेम निश्छल भाव से किया जाता है। हृदय की क्षुधा को प्रेम के भावों से ही तृप्ति मिलती है। करवाचौथ का त्यौहार परस्पर प्रेम, सम्मान एवं त्याग का पर्व है। निशाकर की प्रतीक्षा में भी प्रेम का भाव ही सर्वोपरि होता है। हर श्रृंगार में जीवन साथी की खुशी निहित होती है। यह सौंदर्य का अनूठा श्रृंगार जीवन साथी के प्रति अद्वितीय प्यार को प्रदर्शित करता है। करवाचौथ के दिवस की भांति गृहस्थी की यात्रा में प्रेम, अपनत्व एवं अनूठे श्रृंगार में न्यूनता न आने दे। प्रेम की अभिव्यक्ति समय एवं तिथि पर निर्भर नहीं है। जीवन में प्रेम की अभिव्यक्ति जीवन को पूर्णता प्रदान करती है एवं जीवन में उत्साह एवं आनंद के प्रसून प्रफुल्लित करता है। सलिल का पान, तेरे प्रति मेरा प्यार। अर्क का पर्याय, तेरे प्रति मेरा प्यार। सौभाग्य का सूत्रधार, तेरे प्रति मेरा प्यार। अपनत्व का उपहार, तेरे प्रति मेरा प्यार।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बोले-रेलवे देश की लाइफलाइन, ग्रीन लॉजिस्टिक्स को देगा नया आयाम

■ वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट में रेलवे-गुजरात सरकार के बीच रु. 12,877 करोड़ के दो महत्वपूर्ण समझौते ■ राज्य में 87 रेलवे स्टेशन बनेंगे मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब, फ्रेट कॉरिडोर से बढ़ी देश की लॉजिस्टिक क्षमता

अहमदाबाद (ईएमएस) रेलवे, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज 09 अक्टूबर, 2025 को पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल का दौरा किया। महेसाणा में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट में भाग लिया। रेल मंत्री जी ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट के दौरान अपने भाषण में कहा कि रेलवे हमारे देश की लाइफलाइन है। लॉजिस्टिक्स कॉस्ट को कम करने और ग्रीन लॉजिस्टिक्स का सबसे बड़ा माध्यम है। बहुत खुशी होती है जब रेलवे के नए-नए प्रोजेक्ट्स देशभर में शुरू होते हैं। गुजरात में फ्रेट कॉरिडोर का काम पूरा हो गया है और उसका बहुत लाभ देश को मिल रहा है। जहाँ किसी कंटेनर ट्रेन को आने में 30-30 घंटे लगते थे, आज वहाँ 10-11 घंटे में कंटेनर ट्रेन पहुँच जाती है। आज फ्रेट कॉरिडोर पर डेली करीब-करीब 400 गाड़ियाँ चल रही हैं तथा पिछले 11 वर्षों में गुजरात में 2,764 किमी रेलवे ट्रैक बने हैं। जो डेनमार्क के कुल रेल नेटवर्क के बराबर ट्रैक गुजरात में 11 वर्षों में बने। गुजरात में रेलवे का इन्वेस्टमेंट रु. 1 लाख 46 हजार करोड़ है। वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट के दौरान गुजरात में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कुल रु. 12,877.35 करोड़ के दो महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी समझौता ज्ञापनों (एमओयूएस) पर हस्ताक्षर किए गए। पहला समझौता भारतीय रेल (पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद मण्डल) और उद्योग आयुक्तालय, गुजरात सरकार के बीच हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य में लॉजिस्टिक्स अवसंरचना और औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना है। इस समझौते के तहत रेलवे और गैर-रेलवे भूमि पर गति शक्ति मल्टीकार्गो टर्मिनल, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और एकीकृत लॉजिस्टिक्स एवं औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। ये परियोजनाएँ गुजरात इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स मास्टर प्लान और सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान्स के अनुरूप होंगी। इसके अलावा, माल परिवहन से संबंधित डेटा का नियमित आदान-प्रदान गुजरात लॉजिस्टिक्स डैशबोर्ड के माध्यम से किया जाएगा, जिससे राज्य में लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक निर्णय और भी सटीक और प्रभावी बन सकेंगे। दूसरा समझौता भारतीय रेल और गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) के बीच हुआ। इसके तहत राज्य के प्रमुख 87 रेलवे स्टेशनों को मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इन हब्स में रेल और बस सेवाओं का एकीकृत संचालन होगा, जिससे यात्रियों को निर्बाध, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित होगी। इन हब्स में आधुनिक सुविधाएँ, लॉजिस्टिक्स समन्वय केंद्र और यात्री सेवाओं का समेकन होगा, जिससे राज्य में

आवागमन और माल परिवहन दोनों में तेजी और दक्षता आएगी। अपने दौरे के दौरान वैष्णव ने वडनगर स्टेशन का भी निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने यात्री सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया तथा इस स्टेशन के पुनर्विकास के बारे में चर्चा की। साथ ही स्थानीय लोगों से बातचीत की तथा उनकी ट्रेनों की मांग पर भी विचार-विमर्श किया। रेल मंत्री ने साबरमती रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया एवं स्टेशन के मॉडल का अवलोकन किया तथा साबरमती हाई स्पीड रेल स्टेशन एवं हाई स्पीड रेल डिपो का विस्तृत निरीक्षण किया और मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्हें एनएचएसआरसीएल के अधिकारियों द्वारा प्रजेंटेशन के माध्यम से परियोजना में किए गए विभिन्न विकासात्मक कार्यों और नवीनतम प्रगति की जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान माननीय रेल मंत्री के साथ विवेक कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे; वेद प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद; प्रमुखाध्यक्ष पश्चिम रेलवे मुख्यालय एवं अहमदाबाद मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

2027 के अंत तक सभी ठोस कचरे का इस्तेमाल सड़क बनाने में करेंगे: गडकरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की है कि 2027 के आखिर तक भारत में सभी ठोस कचरे का उपयोग सड़क निर्माण में किया जाएगा। गुरुवार को पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 120वें वार्षिक सत्र में बोलते हुए गडकरी ने कहा कि 80 लाख टन कचरे को पहले ही अलग करके सड़क निर्माण परियोजनाओं में इस्तेमाल के लिए चिह्नित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कोई भी सामग्री बेकार नहीं है और न ही कोई व्यक्ति। सही तकनीक और नेतृत्व के साथ, हम कचरे को धन में बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि 2027 तक, हमारी योजना सभी ठोस कचरे का इस्तेमाल सड़क निर्माण में करने की है। उन्होंने दिल्ली में कचरे के भद्दे पहाड़ों की ओर भी इशारा किया और कहा कि हम पहले ही

80 लाख टन कचरे को अलग कर चुके हैं और इसका इस्तेमाल सड़कें बनाने में कर रहे हैं। मंत्री ने जैव ईंधन और इथेनॉल आधारित ईंधन के क्षेत्र में सरकार की पहल की भी तारीफ की और कहा कि भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग अगले 5 सालों में दुनिया का सबसे बड़ा उद्योग बन जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत का ऑटोमोबाइल क्षेत्र 22 लाख करोड़ रुपये के बाजार आकार के साथ, अमेरिका और चीन के बाद, वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। गडकरी ने कहा कि 2014 में भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग 14 लाख करोड़ रुपए यानी 1.4 ट्रिलियन का था और वैश्विक स्तर पर सातवां सबसे बड़ा उद्योग था। हाल ही में, हम जापान को पीछे छोड़कर तीसरे सबसे बड़े उद्योग बन गए हैं। अब, वैकल्पिक ईंधनों–जैव ईंधन, इलेक्ट्रिक वाहन, इथेनॉल, मेथनॉल, बायोडीज़ल, एलएनजी और हाइड्रोजन–में नवाचारों के साथ, हम भारत को ऑटोमोबाइल उद्योग में विश्व में नंबर वन बना रहे हैं।

मांसाहारी खाना खाने से हुई डॉ. जयवीर की मौत... बेटे ने कतर एयरवेज पर ठोंका मुकदमा

नई दिल्ली (ईएमएस)। 85 वर्षीय हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक जयवीर की दुखद मौत हुई है, बताया जा रहा हैं कि उनकी मौत कतर एयरवेज की फ्लाइट में शाकाहारी खाने के बजाय गलती से मांसाहारी खाना परोसे जाने के कारण हुई। डॉ. जयवीर, 85 वर्षीय हृदय रोग विशेषज्ञ है। वे 30 जून 2023 को लॉस एंजिलिस से कोलंबो (15.5 घंटे की यात्रा) पर थे। कतर एयरवेट पर आरोप हैं कि डॉ. जयवीर ने पहले ही शाकाहारी भोजन का ऑर्डर दिया था, लेकिन फ्लाइट अटेंडेंट ने उन्हें बताया कि शाकाहारी खाना उपलब्ध नहीं है और उन्हें मांसाहारी खाना परोसकर खाने को दिया गया। इसके बाद मांसाहारी खाना खाते ही डॉ. जयवीर का दम घुटने लगा और वह बेहोश हो गए। इसके फौरान बाद फ्लाइट क्रू ने ऑनलाइन मेडएयर डॉक्टरों से मदद ली, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती गई। डा.जयवीर की बिगड़ती हालत को देखकर विमान को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में उतारा गया, जहाँ उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान 3 अगस्त को उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उनकी मौत का कारण का एस्पिरेशन निमोनिया, जो गलती से भोजन या तरल पदार्थ अंदर लेने से होने वाला फेफड़ों का संक्रमण है। वहीं अब इस मामले में डॉ. जयवीर के बेटे, सूर्या जयवीर, ने कतर एयरवेज के खिलाफ गलत तरीके से मौत का मुकदमा और हत्या का केस दायर किया है। मुकदमे में फूड सर्विस में लापरवाही और चिकित्सा सहायता में लापरवाही का आरोप लगाया गया है। बेटे ने 1.14 करोड़ रुपए (करीब 140,000) के हर्जाने की मांग की है। मुकदमे में कहा गया है कि कतर और अमेरिका मॉन्ट्रियल कन्वेंशन के सदस्य हैं, जो एक अंतरराष्ट्रीय संधि है। यह कन्वेंशन अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में मृत्यु और चोट के दावों के लिए लगभग 1.75 लाख डालर तक का भुगतान करने का प्रावधान करता है। पिछले साल, ब्रिटिश रियलिटी स्टार जैक फाउलर, जिन्हें मेवों से गंभीर एलर्जी है, को कतर एयरवेज की फ्लाइट में मेवों वाली चिकन करी परोसी गई थी और वह लगभग मर गए थे। सिंगापुर एयरलाइंस की एक उड़ान को पेरिस मोड़ना पड़ा था जब शेलफिश से एलर्जी वाली एक महिला को झींगा परोसे जाने के बाद वह गंभीर रूप से बीमार हो गई थी।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM ASITA NIKHILKUMAR VAIDYA / ASITA VAIDYA TO ASITA NIKHIL VAIDYA AS PER DOCUMENTS

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM TIWARI SAKSHI YATINDRA TO SAKSHI TIWARI AS PER DOCUMENTS

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM VANDANA HEMANT PATEL **TO VANDANABEN HEMANTKUMAR PATEL** ADDRESS: 177, DORI KADAIYA NANI DAMAN-396210.

जीजा ने साला-साली की ले ली जान, साली से करना चाहता था शादी

सूरत,(ईएमएस)। गुजरात के सूरत शहर में एक बार फिर दोहरे हत्याकांड का मामला सामने आया है। यहां के उधना पुलिस थाना क्षेत्र में देर रात खूनी खेल खेला गया जिसमें एक शख्स ने रिश्तों का कत्ल कर दिया। उसने अपनी साली, साले और सास पर कातिलाना हमला किया। इस हमले में साली और साले की मौत हो गई जबकि सास अस्पताल में भर्ती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मृतक भाई-बहन अपनी मां के साथ घर में भाई की शादी के लिए प्रयागराज से सूरत कपड़ों की खरीदारी के लिए आए थे। पुलिस की जांच में पता चला है कि दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाला जीजा अपनी साली से शादी करना चाहता था इस विवाद को लेकर उसने वह सास, साले और साली पर हमला कर दिया। साली और साले की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर हत्यारे जीजा की तलाश शुरू कर दी है। उधना पुलिस के मुताबिक पटेल नगर इलाके की साईं जलाराम सोसायटी के एक घर में बुधवार देर रात यह घटना घटी। इस घटना की जानकारी मिलते ही आसपास रहने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहने वाले संदीप घनश्याम गौड़ (34) ने इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया। संदीप इसी घर में अपनी पत्नी वर्षा गौर और तीन बच्चों के साथ रह रहा था। संदीप का साला निश्चय अशोक कश्यप अपनी बहन ममता कश्यप और मां शकुंतला देवी के साथ 4 अक्टूबर को प्रयागराज से सूरत भाई की शादी के लिए कपड़ों की खरीदी के लिए आया था। कश्यप परिवार को इसकी भनक नहीं थी कि शादी के लिए सूरत में कपड़ों की खरीदी उनके लिए काल बनकर आएगी। जानकारी के मुताबिक बुधवार देर रात को साईं जलाराम सोसायटी में जब सभी लोग मौजूद थे तभी इस घर में रहने वाले संदीप गौर ने अपने साले और सास से अपनी साली के साथ दूसरी शादी करने की इच्छा जताई। संदीप की बात सुनकर घर में मौजूद हर कोई हैरान था। इस बात को लेकर परिवार में बहस छिड़ गई और विवाद में बदल गई।

नारी शक्ति का सवश्रेष्ठ उदहारण है करवा चौथ

रमेश सर्राफ धमोरा

आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है।

करवा चौथ सभी विवाहित महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक पत्नियाँ अपने पति की सलामती के लिए व्रत रखती हैं। पूरे दिन बिना पानी पिए और कुछ भी खाए व्रत रखना आसान नहीं है, लेकिन स्नेही पत्नियाँ अपने पति के प्रति पूरे प्रेम और सम्मान के साथ ये सभी रस्में निभाती हैं। यह त्यौहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता हैं और यह न केवल एक त्यौहार है बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है। कहने को तो करवा चौथ का त्यौहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति और उसकी क्षमताओं का सवश्रेष्ठ उदहारण हैं। क्योंकि नारी अपने दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती हैं तो फिर वह क्या नहीं कर सकती हैं। आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती है।

आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है। करवा चौथ शब्द करवा अर्थात मिट्टी का बर्तन और चौथ अर्थात चतुर्थी से मिलकर बना है। इस पर्व पर मिट्टी के करवे का विशेष महत्व होता है। सभी विवाहित महिलाएं पूरे वर्ष इस त्योहार की प्रतीक्षा करती हैं और इसकी सभी रस्मों को श्रद्धा के साथ निभाती हैं।

हमारा देश एक धर्म प्रधान देश हैं। यहां साल के सभी दिनो का महत्व होता है तथा साल का हर दिन पवित्र माना जाता है। भारत में करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। यह व्रत लगातार 12 अथवा 16 वर्ष तक हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं।

किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे व्रत रखती हैं। बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें। करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। दिन में करवाचौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें।

शास्त्रों के अनुसार पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। करवा चौथ में दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्ध्य देने के उपरान्त ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवा चौथव्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं। लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं। सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्ध्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएं। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। अपनी सासूजी को वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है। उस दिन प्रातः स्नान करके अपने पति की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें। उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर नैवेद्य हेतु लड्डू बनाएं। काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के अथवा तांबे के बने हुए अपनी सामर्थ्य अनुसार 10 अथवा 13 करवे रखें।

करवा चौथ के बारे में व्रत करने वाली महिलाएं कहानी सुनती है। एक बार पांडु पुत्र अर्जुन तपस्या करने नीलगिरी नामक पर्वत पर गए। इधर द्रोपदी बहुत परेशान थीं। उनकी कोई खबर न मिलने पर उन्होंने कृष्ण भगवान का ध्यान किया और अपनी चिंता व्यक्त की। कृष्ण भगवान ने कहा बहना इसी तरह का प्रश्न एक बार माता पार्वती ने शंकरजी से किया था। पूजन कर चंद्रमा को अर्ध्य देकर भोजन ग्रहण किया जाता है। सोने, चाँदी या मिट्टी के करवे का आपस में आदान-प्रदान किया जाता है। जो आपसी प्रेम-भाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएँ अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेती हैं। तब शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथका व्रत बतलाया। इस व्रत को करने से स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षा हर आने वाले संकट से वैसे ही कर सकती हैं जैसे एक ब्राह्मण ने की थी। प्राचीनकाल में एक ब्राह्मण था। उसके चार लडके एवं एक गुणवती लडकी थी। एक बार लडकी मायके में थी। तब करवा चौथ का व्रत पड़ा। उसने व्रत को विधिपूर्वक किया। पूरे दिन निर्जला रही। कुछ खाया-पीया नहीं, पर उसके चारों भाई परेशान थे कि बहन को प्यास लगी होगी, भूख लगी होगी, पर बहन चंद्रोदय के बाद ही जल ग्रहण करेगी।भाइयों से न रहा गया उन्होंने शाम होते ही बहन को बनावटी चंद्रोदय दिखा दिया। एक भाई पीपल की पेड़ पर छलनी लेकर चढ़ गया और दीपक जलाकर छलनी से रोशनी उत्पन्न कर दी। तभी दूसरे भाई ने नीचे से बहन को आवाज दी देखो बहन चंद्रमा निकल आया है। पूजन कर भोजन ग्रहण करो।

बहन ने भोजन ग्रहण किया। भोजन ग्रहण करते ही उसके पति की मृत्यु हो गई। अब वह दुःखी हो विलाप करने लगी। तभी वहां से रानी इंद्राणी निकल रही थीं। उनसे उसका दुःख न देखा गया। ब्राह्मण कन्या ने उनके पैर पकड़ लिए और अपने दुःख का कारण पूछा। तब इंद्राणी ने बताया कि तूने बिना चंद्र दर्शन किए करवा चौथ का व्रत तोड़ दिया इसलिए यह कष्ट मिला। अब तू वर्ष भर की चौथ का व्रत नियमपूर्वक करना तो तेरा पति जीवित हो जाएगा। उसने इंद्राणी के कहे अनुसार चौथव्रत किया तो पुनः सौभाग्यवती हो गई। इसलिए प्रत्येक स्त्री को अपने पति की दीर्घायु के लिए यह व्रत करना चाहिए। द्रोपदी ने यह व्रत किया और अर्जुन सकुशल मनोवांछित फल प्राप्त कर वापस लौट आए। तभी से हिन्दू महिलाएं अपने अखंड सुहाग के लिए करवा चौथ व्रत करती हैं।

कहते हैं इस प्रकार यदि कोई मनुष्य छल-कपट, अहंकार, लोभ, लालच को त्याग कर श्रद्धा और भक्तिभाव पूर्वक चतुर्थी का व्रत को पूर्ण करता है। तो वह जीवन में सभी प्रकार के दुखों और क्लेशों से मुक्त होता है और सुखमय जीवन व्यतीत करता है। भारत देश में चौथमाता का सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान राज्य के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गांव में स्थित है। चौथ माता के नाम पर इस गांव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। यहां के चौथ माता मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान ने करवायाथा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

आर्थिक नगरी के नए युग की उडवन्

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई के लिए एक ऐतिहासिक क्षण साबित हुआ है। लगभग 19650 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित यह एयरपोर्ट न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश की विकास गाथा में नया अध्याय जोड़ने जा रहा है। देश के सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डों में से एक-छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट-पर लंबे समय से यात्रियों और उड़ानों का अत्यधिक दबाव था। ऐसे में नवी मुंबई एयरपोर्ट का बनना इस दबाव को कम करने के साथ-साथ देश की उभरती अर्थव्यवस्था को पंख देने का काम करेगा। जिससे आर्थिक नगरी की उड़ान बेहतर हो सकेगी। मुंबई पहले से ही व्यापार, उद्योग और वित्त का केंद्र मानी जाती है। अब जब उसके पास दूसरा विश्वस्तरीय एयरपोर्ट होगा, तो न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि निवेशकों और उद्योगपतियों के लिए नए अवसर भी खुलेंगे। नवी मुंबई एयरपोर्ट के माध्यम से दक्षिण मुंबई से लेकर रायगढ़ और पुणे क्षेत्र तक की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। यह क्षेत्र अब आईटी, पर्यटन, व्यापारिक और लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित हो सकता है। यह परियोजना न केवल भौतिक अवसंरचना का विस्तार है, बल्कि एक नए आर्थिक क्षेत्र की नींव भी है। इस एयरपोर्ट के संचालन से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार सृजित होंगे। निर्माण से लेकर हवाई सेवाओं, होटल उद्योग, परिवहन और व्यापार तक हर क्षेत्र को गति मिलेगी। साथ ही, यह पर्यावरणीय दृष्टि से भी एक आधुनिक परियोजना मानी जा रही है, जिसमें सौर ऊर्जा और हरित तकनीक का उपयोग किया गया है। इससे भारत की 'ग्रीन एविएशन की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। परंतु हर बड़े प्रोजेक्ट की तरह चुनौतियां भी हैं-स्थानीय निवासियों का पुनर्वास, पर्यावरण संरक्षण और यातायात व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार और स्थानीय निकायों को संवेदनशील और पारदर्शी रहना होगा। केवल ढांचागत विकास ही नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण भी उतना ही आवश्यक है ताकि विकास समावेशी हो। इस एयरपोर्ट के शुभारंभ के साथ मुंबई की उड़ानें अब और ऊंची होंगी। यह परियोजना न्यू इंडिया की उस सोच का प्रतीक है, जो आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा दोनों को साथ लेकर चलना चाहती है। मुंबई-जो कभी सपनों का शहर कही जाती थी-अब विश्व स्तरीय संपर्क के साथ एक नई दिशा में बढ़ रही है। नवी मुंबई एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि भारत के विकास की नई राह है-जहां आसमान अब सिर्फ उड़ानों का नहीं, संभावनाओं का प्रतीक बन चुका है।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य दिवसः अनेक कामनाओ के कारण मनुष्य का मन बिखरा हुआ और अस्थिर है

कांतिलाल मांडोत

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयासों को गति देना है। मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय आ गया है।आज व्यक्ति के जीवन में अनेक विसंगतियों हैं। इन विसंगतियों का कारण मनुष्य-जीवन में बढ़ता तनाव है। व्यक्ति की लालसा है कि समग्र आकाश उसके आँगन में उतर आये। जो चीज असम्भव है, उसी की ही प्रत्याशा में वह दिन-रात लगा हुआ है। चाहे उसके लिए उसे अपनी अस्मिता को ही दाँव पर क्यों न लगाना पड़े ? वह दौड़ रहा है। एक पल भी रुकने का उसके पास समय नहीं है।

आज इनसान अपना सारा समय संसार की नश्वर चीजों को ही बटोरने में लगा रहा है। संग्रह की प्रवृत्ति उसमें निरन्तर बढ़ती जा रही है।भौतिक प्यास कभी बुझती नहीं है। जो सम्पदा उसके पास अनादिकाल से है इसकी और उसे न कोई ध्यान है और न चाह है। उसका लगाव तो क्षणिक और नश्वर चीजों में ही है। इन सब बातों का उस पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है जिसके कारण उसका जीवन अशांत व अस्थिर है। उसे कदाचित यह नहीं मालूम है कि दुनियाँ में सारी चीजें किसी एक को नहीं मिल पाती हैं।

अनेकानेक कामनाओं के कारण आज मनुष्य का मन यत्र-तत्र बिखरा हुआ है, अस्थिर है। कदाचित वह इस बात से अनभिज्ञ है कि वह अपनी समस्त कामनाओं की पूर्ति नहीं कर सकता है। जैसा किसी व्यक्ति का छलनी में जल भरना सम्भव नहीं है, ठीक उसी प्रकार कामनाओं की पूर्ति उसके लिए अशक्य है।आज पूरा विश्व तनावों से जूझ रहा है। तनावों के बोझ तले किसी एक राष्ट्र विशेष के ही नहीं, सभी राष्ट्रों के नागरिक अपना जीवन बसर कर रहे हैं। कोई भी राष्ट्र इससे अछूता नहीं है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आज यह एक विकट समस्या है। इसलिए इस पर अनेक चचाएँ-परिचचाएँ. संगोष्ठियों-सेमिनार आदि हो रहे हैं। जब से औद्योगिकीकरण, प्रौद्योगिकीकरण तथा शहरीकरण पनपा है या विकसित हुआ है, महानगरों में धुएँ उगलते, शोर मचाते यातायात बढ़े हैं, आबादी-भीड़ और मँहगाई बढ़ी है, बाजारों से रोजमर्रा की चीजें कठिनाइयों से उपलब्ध हो रहीं हैं, जल, वायु, भोजन, सब दूषित प्रदूषित हो रहे हैं, तब तनावों की यह समस्या और भयावह हुई है।

आज अधिकांश मानव तनावों की गिरफ्त में है। यह तो हो सकता है कि अमुक राष्ट्र के लोगों में यह कम या बहुतायत में हो, पर कोई राष्ट्र इससे अछूता नहीं है। आश्चर्य तो तब होता है जब भारत देश के लोग भी आज तनावों से सर्वाधिक पीड़ित-प्रपीड़ित नजर आ रहे हैं। यहाँ के लोगों की तनावपूर्ण जिन्दगी को देखकर हर कोई यह अनुभव कर सकता है कि आज का भारत पहले का भारत नहीं रहा है। उसकी छवि निश्चय ही धूमिल हुई है। कभी यह देश आध्यात्मिक शान्ति का मार्गद्रष्टा था। यहाँ अध्यात्म की गंगा सतत प्रवहमान थी। शान्त, सहज, सरल व प्रामाणिक जीवन जीने वाले यहाँ के पूर्वज जीने की कला में ही नहीं, मरने की कला में मन की मूढ़ अवस्था में विभिन्न तनाव, रोग पनपते हैं जबकि मन की अमूढता में ये ही तनाव विनसते भी हैं। इस प्रकार मन तनाव का कारण भी है और निवारक भी है। मन की यह विशेषता है कि वह सदा सक्रिय रहता है, जाग्रत रहता है। एक क्षण को भी वह न सोता है और न विश्राम ही लेता है। चाहे निद्रा में व्यक्ति हो या अनिद्रा में, किसी भी स्थिति में हो यह सदा जागता रहता है। यह बात अलग है कि उसका जागरण या उत्तकी सक्रियता बहिर्जगत की ओर हो या अन्तर्जगत की ओर, पर उसकी सक्रियता सदा बनी रहती है। स्वस्थ व तनावरहित रहने के लिए तथा शांति व आनन्द के लिए मन को रोकना नहीं अपितु मन की दिशा को मोड़ना होता है। बहिर्जगत से अन्तर्जगत की ओर यानी अध्यात्म की दिशा में मन को प्रवृत्त करना होता है।

मन, अमन की स्थिति में आए, इसके लिए नीतिकारोंने कहा कि व्यक्ति प्रामाणिकता के साथ, वर्तमान में जीना सीखे जिससे अनावश्यक कल्पनाओं, योजनाओं, स्मृतियों, चेष्टाओं का चक्र टूट सके। सोते-जागते हर समय उठने वाली अनावश्यक स्मृतियाँ-कल्पनाएँ मन को भटकाती हैं जबकि जीवन के लिए कल्पनाएँ, स्मृतियाँ जितनी आवश्यक हैं उतनी ही होनी चाहिए। क्योंकि बिना इनके जीवन चल नहीं सकता है। आवश्यक कल्पनाओं-स्मृतियों का अपना एक उपयोग होता है। इससे मन तो विश्राम पाता ही है, भारमुक्त भी होता है। साथ ही मानसिक तनावों से छुटकारा भी मिलता है।

मन की अनन्त पर्यायें होती हैं। प्रतिपल ये परिवर्तित होती रहती हैं। अनुकूलता में इसका कुछ और रूप तथा प्रतिकूलता में कुछ और ही रूप होता है। इसलिए साधकों ने इस बात पर अत्यधिक बल दिया कि पहले मन को अनुकूल और प्रतिकूल दोनों स्थितियों में सम बनाया जाए। मन को समत्व में लाने का उन्होंने एक सूत्र दिया है। यह सूत्र है सहिष्णुता का। सहिष्णुता का अभ्यास मन को समत्व भूमि पर प्रतिष्ठित कराता है। मन का समत्व भूमि पर प्रतिष्ठित होना ही मन की निर्मल अवस्था है। इससे शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की स्वस्थता प्राप्त की जा सकती है।

बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

ललित गर्ग

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकतंत्र का यह महायज्ञ आरंभ हो चुका है, जिसमें करोड़ों मतदाता दो चरणों में दिनांक 6 और 11 नवंबर को अपने मत के माध्यम से राज्य की दिशा और दशा दोनों तय करेंगे। इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचार और व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है। बिहार लंबे समय से जिस पिछड़ेपन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अराजकता की बेड़ियों में जकड़ा रहा है, उससे मुक्ति का यह अवसर है। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होगी, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, मतदान तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह धरती कभी बुद्ध की करुणा और चाणक्य की नीति की जननी रही है, लेकिन आज वही बिहार कानून व्यवस्था की विफलताओं, जातिवाद की जंजीरों और विकासहीनता की विवशताओं से जूझ रहा है। सड़कें टूटी हैं, शिक्षा व्यवस्था जर्जर है, चिकित्सा तंत्र कमजोर है, और रोजगार की तलाश में हर साल लाखों युवा अपनी मातृभूमि छोड़ने को विवश हैं। ऐसे में यह चुनाव एक सामाजिक जागृति का अवसर भी है, जब मतदाता केवल चेहरे नहीं, चरित्र और चिंतन को वोट देंगे।

राजनीतिक दल अपनी-अपनी घोषणाओं, वादों और दृष्टि-पत्रों के साथ मैदान में हैं। कोई 'नया बिहार' बनाने का नारा दे रहा है, तो कोई 'विकसित बिहार' का। लेकिन सवाल यह है कि क्या घोषणाओं से बिहार का भाग्य बदलेगा, या फिर यह चुनाव भी परंपरागत नारों और जातीय समीकरणों के हवाले हो जाएगा? यह समय है कि जनता दलों से नहीं, दिशा से जुड़ाव करे; नारे से नहीं, नैतिकता से संवाद करे। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में एनडीए ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। 2005 से नीतीश कुमार बीच के कुछ समय को छोड़ कर सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहने और कम सीटों के बावजूद मुख्यमंत्री वही बने। इसके पीछे उनकी अपनी 'सुशासन बाबू' की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है। पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है। वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में जंगलराज की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्षी दल पूछ रहे हैं। यह चुनाव ऐसे अनेक सवालों के घेरे में हैं।

विकास पर जोर के बावजूद बिहार की राजनीति में जाति एक निर्णायक कारक है। हर पार्टी की चुनावी रणनीति समुदाय आधारित लामबंदी से गहराई से प्रभावित है। दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए ओर महागबंधन सीट बंटवारे की बातचीत में उलझे हैं। 243 विधानसभा सीटों में से गठबंधन में से किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी और किसे कोन-सी सीट मिलेगी, यह विवाद का विषय है। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था- इस बार समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार ओर पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं। कुछ और भी नये राजनीतिक दल मैदान में हैं। बिहार की सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुदृढ़ता की है। आए दिन होने वाली अपराध घटनाएं और अराजकता ने राज्य की छवि को धूमिल किया है। एक ऐसा शासन चाहिए जो भयमुक्त समाज दे सके, जहां नागरिक सुरक्षित महसूस करें, जहां अपराध पर अंकुश हो और न्याय त्वरित मिले। विकास तभी संभव है जब विश्वास का माहौल बने।

बिहार की राजनीति में इस बार कई नए दल और कई पुराने चेहरे नए दल के साथ दिखाई देने वाले हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी 'जनसुराज', तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी पहली बार बिहार विधानसभा के चुनाव में नजर आने वाली है। ऐसे में सभी दल चुनावी जंग में ताल ठोकने को तैयार है। मगर देखने वाली बात ये होगी कि कौन सी पार्टी अपना कितना दम दिखा पाती है? क्या प्रशांत किशार की पार्टी उनके दावे के अनुसार प्रदर्शन करती है या फुस्स साबित होती है, वहीं, तेजप्रताप यादव अपनी पार्टी बनाकर तेजस्वी यादव को कितना झटका देते है। यह सब अब चुनाव के परिणाम पर तय होगा। साथ ही यह भी तय होगा कि कौन सी पार्टी अपना अस्तित्व बचा पाती है कौन नहीं? यह चुनाव बिहार की आत्मा को झकझोरने वाला क्षण है। यहां की जनता अब सिर्फ रोटी-कपड़ा-मकान नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह चुनाव इस आकांक्षा का प्रतीक है। जो भी दल इस वास्तविकता को समझेगा, वही बिहार का भविष्य गढ़ पाएगा।

आज बिहार के मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील हैं। वे जानते हैं कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता और प्रशासनिक जवाबदेही। यह चुनाव केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि क्या बिहार अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ पाएगा। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा होती रहती है, इसलिये यह स्वाभाविक है कि राज्य का विकास, कानून व्यवस्था एवं रोजगार का मुद्दा भी पक्ष-विपक्ष के बीच एक प्रमुख चुनावी मुद्दा होगा। हालांकि पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव बदला-बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। वहीं आरजेडी और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

वैसे, बिहार चुनाव का इतना ज्यादा महत्व कोई नई बात नहीं है। विगत दो दशक से एक विशेष क्रम बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के अगले साल बिहार विधानसभा के चुनाव होते हैं। केंद्र में जो पार्टी विपक्षी गठबंधन में रहती है, वह बिहार विधानसभा चुनाव में अपना पूरा जोर लगा देती है, जिससे चुनाव कुछ ज्यादा रोचक एवं उत्तेजक बन जाता है। सियासी स्थिति का आकलन करें, तो बिहार में लगभग बीस साल शासन के बावजूद जनता दल यूनाइटेड या नीतीश कुमार की ताकत को कोई भी खारिज नहीं कर रहा है। भाजपा पूरी मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ी है, ताकि सत्ता बनी रहे। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन अभी नहीं, तो कभी नहीं वाले अंदाज में जोर लगा रहा है। लोकतंत्र की इस परीक्षा में बिहार एक नई इबारत लिख सकता है-एक ऐसा बिहार जो शिक्षित हो, संगठित हो, और सजग हो। जहां राजनीति सेवा का माध्यम बने, संघर्ष का नहीं; जहां सत्ता संवेदना की भाषा बोले, स्वार्थ की नहीं। बिहार का यह जनादेश वास्तव में इतिहास रच सकता है-यदि जनता 'जाति' नहीं, 'न्याय' को चुने; 'वादा' नहीं, 'विश्वास' को चुने। यह चुनाव बिहार के भाग्य परिवर्तन की कुंजी बन सकता है-बशर्ते हम सब मिलकर कहें- 'अब की बार, सुशासन और सुधार।'

संक्षिप्त समाचार

बलूच विद्रोहियों ने फिर बनाया जाफर एक्सप्रेस को निशाना, विस्फोट के बाद कई डिब्बे पटरी से उतरे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने एक बार फिर जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया है। बलूचिस्तान रिपब्लिकन गार्ड्स ने मंगलवार को दावा किया कि उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया और आईईडी विस्फोट कर ट्रेन के कई डिब्बों को पटरी से उतार दिया। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला सुल्तान कोट इलाके में किया गया, जो शिकारपुर और जैकबाबाद इलाके के बीच में स्थित है। ब्रक्क ने ऐलान किया है कि बलूचिस्तान की आजादी तक ऐसे हमले जारी रहेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित आईईडी विस्फोट किया गया। विस्फोट इतना ताकतवर था कि उसके असर से ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन के पटरी से उतरने से चार यात्री घायल हुए हैं। वहीं बलूच विद्रोहियों का दावा है कि हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक यात्रा कर रहे थे और उन्हें निशाना बनाकर हमला किया गया था। इस हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और कई अन्य घायल हैं। बलूच विद्रोहियों ने दावा किया कि हमले में ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। पाकिस्तान की ट्रेन जाफर एक्सप्रेस को बलूच विद्रोही पहले भी कई बार निशाना बना चुके हैं। दरअसल इस ट्रेन से अक्सर पाकिस्तानी सैनिक पाकिस्तानी पंजाब से बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा आते-जाते हैं। यही वजह है कि बलूच विद्रोही संगठनों के निशाने पर अक्सर ये ट्रेन रहती है। इस साल मार्च में जाफर एक्सप्रेस को बलूच विद्रोहियों ने हाइजैक कर लिया था, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई, मरने वालों में कई पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे। सुरक्षा बलों ने एक अभियान चलाकर ट्रेन पर हमला करने वाले 33 आतंकवादियों को मार गिराया और 354 बंधकों को बचाया गया। दो हफ्ते पहले भी बलूचिस्तान के मस्तुंग के दश्त इलाके में रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट में जाफर एक्सप्रेस का एक कोच नष्ट हो गया और छह अन्य पटरी से उतर गए, जिसमें 12 यात्री घायल हो गए थे। साल 2023 में भी जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया गया था। इसी तरह साल 2016 में भी बलूच विद्रोहियों ने जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया था। उस हमले में छह लोगों की मौत हो गई थी और 19 लोग घायल हो गए थे।

सत्ता परिवर्तन के बाद एक्शन जारी, केपी ओली और पूर्व गृह मंत्री की मुश्किल बढ़ी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में युवाओं के भारी आक्रोश बाद सत्ता छोड़ने को मजबूर हुए पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उनके खिलाफ एक के बाद कई मामले दर्ज किए जा चुके हैं। ऐसे में अब मंगलवार (07 अक्तूबर) को अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृह मंत्री रमेश लेखक के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। साथ ही जेन-जेड प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के लिए उनकी आपराधिक जवाबदेही की मांग की है। पिछले महीने नेपाल में ओली सरकार के विरोध के युवाओं ने जनरेशन-जेड प्रोटेस्ट किया था। इस प्रदर्शन में कई लोगों की जान गई थी। ऐसे में अब काठमांडू जिला पुलिस मंडल प्रवक्ता, पुलिस अधीक्षक पवन भट्टराई ने पुष्टि करते हुए बताया है कि यूएमएल अध्यक्ष ओली और नेपाली कांग्रेस नेता लेखक के खिलाफ काठमांडू जिला पुलिस कार्यालय, भद्रकाली में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि क्योंकि मामले की जांच के लिए एक जांच आयोग का गठन पहले ही किया जा चुका है, इसलिए पुलिस ने एफआईआर को न्यायमूर्ति गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले उच्च-स्तरीय न्यायिक जांच आयोग को भेज दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश त्रिपाठी ने कहा, जनरेशन-जेड के युवाओं की ओर से पुलिस में दर्ज कराई गई प्राथमिकी उनकी (ओली और लेखक की) आपराधिक जवाबदेही स्थापित करेगी और 8 व 9 सितंबर को हुए अपराध की जांच का मार्ग प्रशस्त करेगी।

बर्फीले तूफान में माउंट एवरेस्ट पर फंसे सैकड़ों पर्वतारोहियों को बचाया गया

बीजिंग, एजेंसी। माउंट एवरेस्ट के चीनी हिस्से में बीते दिनों आए एक बर्फीले तूफान में फंसे लगभग 900 पर्वतारोहियों, गाइड और अन्य कर्मचारियों को सुरक्षित बचा लिया गया है। चीन के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। शनिवार रात इस क्षेत्र में एक भयंकर तूफान आया, जिससे माउंट एवरेस्ट पर करीब 4,900 मीटर की ऊंचाई पर तंबुओं में ठहरे पर्वतारोही फंस गए। तूफान के चलते कुल मिलाकर, 580 पैदल यात्री और 300 से ज्यादा गाइड, याक चरवाहे और अन्य कर्मचारी फंसे हुए थे। स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया गया कि लगभग 350 पर्वतारोहियों को सोमवार दोपहर और बाकी को मंगलवार तक सुरक्षित बचा लिया गया। कुछ लोग को कथित तौर पर हाइपोथर्मिया की परेशानी हुई है। हालात को देखते हुए माउंट एवरेस्ट पर फिलहाल पर्यटन को बंद कर दिया गया है।

मुनीर को सीधी चुनौती? भारत में शांति का पैगाम लेकर आना चाहते हैं पाक के मौलाना फजलुर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की प्रमुख धार्मिक व राजनीतिक पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) के सरगना मौलाना फजलुर रहमान भारत की यात्रा पर आने की इच्छा जता रहे हैं। उनका उद्देश्य भारत को शांति का पैगाम पहुंचाना है। यह खुलासा पार्टी के करीबी सहयोगी और सांसद कमरान मुरतजा ने पाकिस्तानी चैनल आज न्यूज को दिए एक इंटव्यू में किया। पाकिस्तानी सांसद कमरान मुरतजा ने बताया कि मौलाना फजलुर रहमान ने हाल ही में एक भारतीय राजनयिक को व्यक्तिगत रूप से शांति का संदेश सौंपा था। उन्होंने कहा, मौलाना साहब भारत जाना चाहते हैं ताकि दोनों देशों के बीच शांति की अपील की जा सके। यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का एक कदम होगी। मुरतजा ने यह भी कहा कि मौलाना रहमान ने 2002 और 2003 में भी भारत का दौरा किया था, जब दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण थे। उस समय उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से मुलाकात की थी और शांति प्रक्रिया का समर्थन किया था। बता दें कि मौलाना फजलुर रहमान प्रमुख इस्लामी विद्वान और पाकिस्तान की संसद में विपक्ष के पूर्व नेता हैं। आंतरिक दरारों के बीच नई पहल न्यूज18 ने शीर्ष खुफिया सूत्रों के हवाले से लिखा है कि यह कदम ऐसे समय में उठाया गया जब पाकिस्तान की राजनीतिक और सैन्य व्यवस्था में

आंतरिक दरारें गहराती जा रही हैं- खासकर पंजाबी और पश्तून वर्गों के बीच तनाव बढ़ रहा है। सूत्रों ने बताया कि मौलाना का यह शांति संदेश खुद को एक क्षेत्रीय शांति दूत के रूप में पेश करने की कोशिश है, वो भी ऐसे समय में जब भारत-पाक रिश्ते बेहद तनावपूर्ण हैं।

पश्तून असंतोष की आवाज : डेरा इस्माइल खान के रहने वाले मौलाना फजलुर रहमान पश्तून समुदाय से आते हैं और उन्होंने हाल के महीनों में खुद को पश्तून असंतोष की राजनीतिक आवाज के रूप में पेश किया है। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह घटनाक्रम पाकिस्तान के भीतर बढ़ती जातीय असंतुष्टि से गहराई से जुड़ा है। कई पश्तून मूल के राजनेता और सेना अधिकारी जनरल असीम मुनीर के नेतृत्व में खुद को हाशिये पर धकेले जाने से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं।

सेना में बढ़ता मतभेद : पाकिस्तान की सत्ता संरचना में एक शांत लेकिन गहरी दरार उभर रही है। पंजाबी प्रभुत्व वाले सेना नेतृत्व और उपेक्षित पश्तून गुटों के बीच मतभेद बढ़ रहे हैं। पाकिस्तान आर्मी और आईएसआई के कुछ मध्य-स्तरीय व सेवानिवृत्त पश्तून अधिकारी मौलाना के अमन नैरेटिव को समर्थन दे रहे हैं। वे इसे जनरल मुनीर के बढ़ते प्रभाव के संतुलन के रूप में देखते हैं। मौलाना की भारत यात्रा की इच्छा कई उद्देश्यों को साधने की कोशिश हो सकती है। एक ओर यह नई दिल्ली की प्रतिक्रिया परखने का माध्यम हो सकती है, तो दूसरी ओर यह इस्लामाबाद में मौजूदा सत्ता समीकरणों को चुनौती देने का प्रतीक भी होगी। मौलाना की पहल को सेना की कठोर नीति के विपरीत जनकेंद्रित और नरम दृष्टिकोण के रूप में देखा जा रहा है। सीनेटर कमरान मुर्तजा ने बताया कि मौलाना पहले भी भारत आ चुके हैं- 2002 और 2003 में, जब दोनों देशों के बीच रिश्ते तनावपूर्ण थे। उन दौरों के दौरान उन्होंने बाल ठाकरे समेत एनडीए सरकार के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी, और संवाद की दिशा में पहल की थी। खुफिया सूत्रों ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान से जुड़े कई अधिकारी भारत के प्रति बढ़ते आक्रामक रुख का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि बढ़ती दुश्मनी सीमा इलाकों में अस्थिरता और गरीबी को और गहरा कर रही है।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला, काफिले पर चलाई गईं गोलियां; बाल-बाल बचे

क्वीटो, एजेंसी। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ पर जानलेवा हमला हुआ है। दरअसल करीब 500 प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति नोबोआ के काफिले पर हमला किया और पत्थर मारे। गनीमत रही कि इस हमले में राष्ट्रपति नोबोआ को चोट नहीं पहुंची और वे सुरक्षित हैं। इक्वाडोर सरकार के मंत्री इनेस मानजानो ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि राष्ट्रपति पर हमले की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जानलेवा हमले की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि कार पर गोलियां चलने का पता चला है। फिलहाल पुलिस ने पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है। राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से बताया गया है कि सभी आरोपियों के खिलाफ आतंकवाद और जान लेने की साजिश रचने के आरोप लगेंगे। राष्ट्रपति नोबोआ पर हमला राष्ट्रीय मूल नागरिक संघ के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ। यह संघ बीते दो हफ्ते से विरोध प्रदर्शन कर रहा है। प्रदर्शनकारी सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें डीजल सब्सिडी को सरकार ने घटाकर कम कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार के इस फैसले से छोटे किसान और मूल नागरिक समाज के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। संघ के एक विरोध प्रदर्शन के दौरान ही राष्ट्रपति नोबोआ के काफिले पर हमला हुआ।

चीन के 20 जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बना रहा बांग्लादेश, 2.2 अरब डॉलर का करेगा सौदा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने 2.2 अरब डॉलर के सौदे में 20 चीनी जे-10सीई लड़ाकू विमानों को खरीदने की योजना बनाई है। यह सौदा प्रशिक्षण, रखरखाव और अन्य संबंधित खर्चों को भी कवर करेगा। एक मीडिया रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में सरकारी दस्तावेजों के हवाले से कहा गया, बांग्लादेश 2026 और 2027 के दौरान इन लड़ाकू विमानों को प्राप्त करेगा, ताकि वायुसेना को आधुनिक बनाया जा सके और देश की वायु रक्षा को मजबूत किया जा सके। हालांकि, इस सौदे की अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि भुगतान दस वित्तीय वर्षों में (यानी 2036 तक) किया जाएगा। जब रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो वित्त सलाहकार सालेहुद्दीन अहमद ने कहा, मैं इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। उन्होंने कहा, क्या सिर्फ इसलिए कि मुझे कुछ पता है, मुझे सब कुछ बताना जरूरी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जे-10सीई चीन के जे-10सी का निर्यात संस्करण है, जो पहले ही चीनी वायुसेना में सेवा में है। पाकिस्तान ने मई में भारत के साथ चार दिन के सैन्य संघर्ष के दौरान चीनी जे-10सी विमानों का उपयोग किया था। रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य

सलाहकार मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने प्रत्येक विमान की कीमत 60 मिलियन डॉलर और पूरे बेड़े की कीमत 1.2 अरब डॉलर आंकी है, जबकि प्रशिक्षण, उपकरण और ढुलाई पर 820 मिलियन डॉलर खर्च होंगे। बीमा, वैट, एजेंसी कमीशन, नागरिक कार्यों और अन्य खर्चों को जोड़ने पर कुल लागत 2.20 अरब डॉलर हो जाती है। मार्च में अंतरिम सरकार के प्रमुख के कार्यालय ने कहा था कि यूनुस ने चीन की अपनी यात्रा के दौरान लड़ाकू विमानों की खरीद पर चर्चा की थी, जिस पर चीन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। रक्षा विश्लेषक मेजर जनरल एएनएम मुनिरुज्जमान ने कहा कि वायुसेना लंबे समय से नए लड़ाकू विमानों को खरीदने की योजना बना रही है। लेकिन यह मामला अभी मूल्यांकन के चरण में है। उन्होंने कहा, आज दुनिया में एक नया भू-राजनीतिक विभाजन है, इसलिए किसी भी देश से विमान खरीदने से पहले भू-राजनीतिक प्रभाव का विश्लेषण करना जरूरी है।

बांग्लादेश में हिल्सा मछली को बचाने जंगी जहाज तैनात : हेलिकॉप्टर से निगरानी भी हो रही

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिल्सा मछली को अवैध रूप से पकड़ने से बचाने के लिए सेना की तैनाती की गई है। न्यूज एजेंसी ब्लक्क की रिपोर्ट के मुताबिक इसके लिए 17 वॉर शिप और गश्ती हेलिकॉप्टर तैनात किए गए हैं। ये जहाज और गश्ती विमान घरेलू और विदेशी मछुआरों को गहरे समुद्र में घुसपैठ से रोकने के लिए 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। बांग्लादेशी अधिकारियों ने कहा है कि 4 से 25 अक्टूबर तक हिल्सा मछली के प्रजनन वाले इलाके में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

2200 रुपए प्रति किलो पर बिकती हिल्सा मछली : हिल्सा को बांग्लादेश में इलिश मछली भी कहा जाता है। यह बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है और इसे वहां पर 'मां' का दर्जा दिया गया है। हिल्सा प्रजनन के लिए हर साल अंडे देने के लिए समुद्र (गर्म पानी) से नदियों (ठंडे पानी) की ओर लौटती है। हिल्सा मछली पर लाखों लोग निर्भर हैं। ढाका में फिलहाल इसकी कीमत 2800 से 3000 टका (2050 से 2200 रुपए) प्रति किलोग्राम है। भारत के पश्चिम बंगाल में भी यह मछली बहुत पसंद की जाती है और महंगी कीमत पर बिकती है। भारतीय मछुआरे गंगा नदी और उसके डेल्टा के खारे पानी में मछली पकड़ते हैं, जिससे कोलकाता और पश्चिम बंगाल की जरूरतें पूरी होती हैं। लेकिन ज्यादा मछली पकड़ने से हिल्सा के प्रजनन के समय मछली का स्टॉक कम हो सकता है।

एक्सपर्ट बोले- हिल्सा को प्रजनन के लिए शांत पानी की जरूरत : पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन और समुद्र के जलस्तर का बढ़ना हिल्सा मछली के स्टॉक पर असर डाल रहा है। इसके साथ ही यह डर भी है कि नौसेना के जहाज हिल्सा के प्रजनन के दौरान शांत पानी में बाधा डाल सकते हैं। वर्ल्ड फिश की परियोजना के पूर्व प्रमुख मोहम्मद अब्दुल वहाब ने कहा कि हिल्सा को प्रजनन के लिए शांत और निर्बाध पानी चाहिए और इसके लिए ड्रोन का इस्तेमाल बेहतर होगा। बांग्लादेश सरकार ने प्रजनन अवधि में मछुआरों की मदद के लिए हर मछुआरे परिवार को 25 किलोग्राम चावल दिया है, लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि यह पर्याप्त नहीं है।

कैलिफोर्निया में दिवाली बनी सरकारी छुट्टी, गवर्नर गेविन न्यूसम ने रचा इतिहास

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में अब दिवाली आधिकारिक तौर पर राज्य की छुट्टियों की सूची में शामिल हो गई है। मंगलवार को कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने असेंबली बिल 268 पर हस्ताक्षर कर इसे कानून का रूप दे दिया। इस कानून के तहत अब कैलिफोर्निया के सरकारी कर्मचारी, कम्युनिटी कॉलेज, और सरकारी स्कूल दिवाली पर छुट्टी ले सकेंगे। इसके साथ ही, स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को दिवाली के अर्थ और महत्व पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति भी दी गई है।

क्या है बिल एबी 268 : इस बिल में कहा गया है कि राज्य के कर्मचारी दिवाली के दिन वेतन सहित अवकाश ले सकते हैं। स्कूल और कॉलेज दिवाली के दिन बंद रह सकते हैं। शैक्षणिक संस्थान दिवाली के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं। भारतीय समुदाय में खुशी की लहर इस

फैसले से कैलिफोर्निया में रह रहे करीब 10 लाख दक्षिण एशियाई मूल के लोगों, खासतौर पर भारतीय और भारतीय-अमेरिकी समुदाय में, खुशी की लहर दौड़ गई है। अजय भूटोरिया, जो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के पूर्व सलाहकार रहे हैं और सिलिकॉन वैली के प्रसिद्ध उद्यमी और समाजसेवी हैं, ने इस फैसले की सराहना की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, धन्यवाद गवर्नर गेविन न्यूसम, जिन्होंने दिवाली को कैलिफोर्निया की राज्य छुट्टी बनाया। असेंबली मेंबर आश कालरा और दर्शन पटेल का भी आभार जिन्होंने इस बिल को मंजिल तक पहुंचाया, यह रोशनी, एकता और विविधता का उत्सव है।

नवाचार - संस्कृति को नई ऊंचाइयां : अजय भूटोरिया ने आगे कहा, आज कैलिफोर्निया की समावेशिता की यात्रा में एक उवल मील का पत्थर जुड़ा है। दिवाली आशा पर निराशा की, एकता पर विभाजन की, और ज्ञान पर अज्ञान की जीत का प्रतीक है, यह संदेश यहां रहने वाले हर दक्षिण एशियाई के दिल में गूंजता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्णय सिर्फ एक अवकाश नहीं, बल्कि भारतीय प्रवासियों के योगदान और उनकी विरासत का सम्मान है। सिलिकॉन वैली के टेक विशेषज्ञों से लेकर दक्षिण कैलिफोर्निया के स्वास्थ्यकर्मियों तक, भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने राज्य की अर्थव्यवस्था, नवाचार और संस्कृति को नई ऊंचाइयां दी हैं।

शुभ दीपावली - प्रगति के दीप जलते रहें : उन्होंने कहा कि यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा, जैसे हम 20 अक्तूबर को दिवाली मनाने की तैयारी कर रहे हैं, यह कदम हमें गर्व, अपनापन और सामूहिक सौहार्द की नई रोशनी देगा।

बाइडन ने उपराष्ट्रपति रहते छिपाई थीं यूक्रेन में भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें, सीआईए की फाइलों से हुआ खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसी के पुराने रिकॉर्ड से एक बड़ा खुलासा हुआ है। इन फाइलों के मुताबिक, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और उस समय के उपराष्ट्रपति जो बाइडन ने दिसंबर 2015 में यूक्रेन यात्रा के दौरान भ्रष्टाचार पर जो भाषण दिया था, उसके पीछे एक बड़ी कहानी छिपाई गई थी। यूक्रेन के अधिकारियों ने उस समय अमेरिकी रुख को दोहरा मापदंड बताया था, लेकिन यह नाराजगी अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट से हटा दी गई थी। यह जानकारी हाल ही में उजागर की गई सीआईए की फाइलों से सामने आई है। दिसंबर 2015 में जो बाइडन ने यूक्रेन की राजधानी कीव का दौरा किया था, वहां उन्होंने यूक्रेनी संसद में भाषण देकर कहा था कि भ्रष्टाचार कैंसर की तरह है और इसे जड़ से खत्म करना होगा। इस भाषण के बाद यूक्रेनी अधिकारी नाराज थे। उनका कहना था कि अमेरिका खुद भ्रष्टाचार पर दोहरी नीति अपना रहा है, क्योंकि उस समय बाइडन के बेटे हंटर बाइडन यूक्रेन की ऊर्जा कंपनी बुरिज्मा होल्डिंग्स में काम कर रहे थे और हर साल लगभग 1 मिलियन डॉलर का मेहनताना ले रहे थे। यूक्रेनी अधिकारियों ने निजी तौर पर कहा था कि जब अमेरिका ही इस तरह के पारिवारिक संबंधों को नजरअंदाज कर रहा है, तो उसे दूसरों को भ्रष्टाचार पर भाषण देने का कोई हक नहीं बनता। सीआईए की उजागर की गई फाइलों के अनुसार, यूक्रेन की इस नाराजगी की रिपोर्ट तैयार तो हुई थी, लेकिन इसे तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कॉलिन काह्ल के अनुरोध पर राष्ट्रपति के दैनिक खुफिया ब्रीफ (पीडीबी) में शामिल नहीं किया गया। सीआईए के एक अधिकारी की तरफ से 10 फरवरी 2016 को भेजे गए ईमेल में साफ लिखा गया- काह्ल चाहते हैं कि यह रिपोर्ट प्रसारित न की जाए। यह ईमेल उस समय राष्ट्रपति बराक ओबामा को रोजाना ब्रीफ देने वाले अधिकारी माइकल डेम्पसी ने भेजा था। डेम्पसी सीधे खुफिया प्रमुख जेम्स क्लैपर को रिपोर्ट करते थे। बता दें कि क्लैपर पर पहले से ही रूसगेट स्कैंडल में भूमिका को लेकर जांच के दायरे में हैं। राष्ट्रपति की दैनिक खुफिया रिपोर्ट में दुनिया भर की अहम राजनीतिक और सुरक्षा जानकारियां दी जाती हैं ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति समय रहते किसी भी संकट से निपटने की तैयारी कर सकें। यूक्रेन की इस नाराजगी को रिपोर्ट से हटा देना यह दिखाता है कि अमेरिकी प्रशासन ने उस समय बाइडन परिवार से जुड़े विवाद को छुपाने की कोशिश की थी। इसके अलावा, इसी दौरान अमेरिकी मीडिया में भी हंटर बाइडन के यूक्रेन से जुड़े वित्तीय लेनदेन पर सवाल उठ रहे थे। यूक्रेनी अधिकारियों ने इस अमेरिकी मीडिया कवरेज को दोहरा रवैया कहा था। इन पुरानी फाइलों को हाल ही में सीआईए के आंतरिक समीक्षा अभियान के दौरान खोजा गया। यह जांच अभियान जॉन रैटक्लिफ के निर्देश पर हुआ, जो उस समय सीआईए निदेशक थे।

रूस की तरफ से जंग लड़ रहे भारतीय-छात्र का सरेंडर:यूक्रेन ने वीडियो जारी किया; जेल से बचने के लिए सेना में शामिल हुआ था

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी मीडिया ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी सेना ने एक भारतीय युवक को पकड़ा है, जो रूस की तरफ से यूक्रेन में युद्ध लड़ रहा था। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि यूक्रेनी सेना द्वारा पकड़ा गया युवक 22 साल का मजोती साहिल मोहम्मद है, जो गुजरात के मोरबी का निवासी बताया जा रहा है। अभी भारत सरकार ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और फिलहाल यूक्रेनी दावे की पुष्टि के लिए जांच की जा रही है।

पढाई के लिए रूस गया था मजोती साहिल मोहम्मद : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कीव स्थित भारतीय दूतावास को भी अभी तक यूक्रेन की तरफ से कोई आधिकारिक संचार नहीं मिला है। यूक्रेनी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय युवक मजोती साहिल मोहम्मद पढ़ाई के लिए रूस गया था, लेकिन ड्रग्स संबंधी एक मामले में दोषी पाए जाने के बाद उसे रूस में सात साल जेल की सजा सुनाई गई थी। यूक्रेनी सेना की 63वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड ने मजोती साहिल मोहम्मद की वीडियो रिकॉर्ड कर जारी की है, उसमें साहिल ने बताया कि उसे रूसी अधिकारियों की तरफ से एक ऑफर दिया गया, जिसमें कहा गया कि अगर वह एक कॉन्ट्रैक्ट साइन करके रूसी सेना में सेवाएं दे तो उसकी सजा माफ हो सकती है। साहिल रूसी सेना में शामिल हो गया, लेकिन जल्द ही उसने यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यूक्रेनी मीडिया के अनुसार, साहिल का कहना है कि वह लड़ाई नहीं लड़ना चाहता और उसे मदद चाहिए। उसने

रूस वापस जाने से भी इनकार कर दिया। उसने कहा है कि या तो वह यूक्रेन में रहना चाहता है या फिर भारत वापस लौटना चाहता है। साहिल ने बताया कि उसे रूस की तरफ से सेना में सेवाएं देने के बदले 1200 से 18000 अमेरिकी डॉलर की सैलरी देने की बात भी कही गई थी, लेकिन उसे कभी कोई पैसा नहीं मिला।

माजोती ने कहा कि वह रूस वापस नहीं जाना चाहता। उसने यह भी बताया कि उसे सेना में शामिल होने का पैसा देने का वादा किया गया था, लेकिन उसे कुछ नहीं मिला। यूक्रेन ने कई विदेशी सैनिकों को रूस के लिए लड़ते पकड़ा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस ने भारत जैसे देशों के लोगों को नौकरी या पढ़ाई का लालच देकर सेना में भर्ती किया। भारत सरकार ने पिछले महीने रूस से मांग की थी कि वो अपनी सेना में भारतीयों को भर्ती बंद कर दे। साथ ही यह भी कहा था कि पहले से सेना में शामिल हुए भारतीय नागरिकों को भी छोड़ दिया जाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जनता को सलाह दी थी कि वे रूस की सेना में भर्ती होने के किसी भी प्रस्ताव पर ध्यान ना दें क्योंकि इसमें खतरा है।

ट्रंप के गुणगान करते नजर आए कनाडा के पीएम कार्नी, भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने का दिया श्रेय

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तारीफ करते हुए उन्हें भारत और पाकिस्तान समेत कई देशों के बीच शांति स्थापित करने का क्रेडिट दिया। व्हाइट हाउस में हुई बातचीत के दौरान कार्नी ने कहा, आप एक परिवर्तनकारी और खास राष्ट्रपति हैं। आपने अर्थव्यवस्था में बदलाव किया, नाटो देशों से रक्षा खर्च बढ़वाया और भारत-पाकिस्तान से लेकर अजरबैजान-आर्मेनिया तक शांति बहाल की। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी इस साल दूसरी बार अमेरिका दौरे पर पहुंचे हैं। पीएम कार्नी के साथ कनाडा के व्यापार मंत्री डोमिनिक ले ब्लैंक, विदेश मंत्री अनीता आनंद और उद्योग मंत्री मेलानी जोली भी अमेरिका पहुंची हैं।

ट्रम्प बोले- कनाडा-स का विलय हो सकता है : ओवल ऑफिस में कार्नी के साथ प्रेस से बात करते हुए ट्रम्प ने मजाक में कहा कि कनाडा और अमेरिका मर्ज हो सकते हैं। कार्नी ने इस मजाक को टाल दिया और कहा कि वह ट्रम्प की गाजा-इजराइल शांति योजना का समर्थन करते हैं और कनाडा इस में मदद करेगा। कार्नी ने ट्रम्प को शुक्रिया कहा और उन्हें स्पेशल राष्ट्रपति बताया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने ईरान को कमजोर किया।

भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने का 50 से ज्यादा बार दावा कर चुके : इससे पहले ट्रम्प ने सोमवार को एक भाषण में दावा किया कि उनके टैरिफ की ताकत ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका। उन्होंने कहा था, अगर मेरे पास टैरिफ की ताकत नहीं होती, तो सात में से चार युद्ध चल रहे होते। भारत और पाकिस्तान में तनाव था, सात विमान मार गिराए गए थे। मेरी बात बहुत प्रभावी थी। ट्रम्प ने मई से अब तक करीब 50 बार दावा किया है कि उनकी मध्यस्थता से भारत-पाक में शांति हुई। हालांकि, भारत ने

तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की बात को खारिज किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों के बीच सीधी बातचीत से 10 मई को युद्धविराम हुआ।

ट्रम्प बोले- कार्नी ने मुझे काफी फेमस कर दिया : ट्रम्प ने कार्नी की तारीफ की और मजाक में कहा कि कनाडाई पीएम ने उन्हें काफी मशहूर कर दिया। उन्होंने कहा कि हम दोनों का रिश्ता शुरू से अच्छा है, लेकिन कुछ छोटी-मोटी असहमतियां हैं, जिन्हें सुलझा लेंगे। ट्रम्प ने बताया कि आज की बातचीत में टैरिफ पर भी चर्चा होगी, लेकिन यह नहीं बताया कि कनाडा पर लगा टैरिफ हटाएगा या नहीं। ट्रम्प ने गाजा युद्ध का जिक्र किया और कहा कि वहां शांति हो सकती है। उनकी टीम वहां काम कर रही है और दुनिया के कई देश उनकी शांति योजना के साथ हैं। उन्होंने कहा कि कुछ बड़ा हो सकता है, लेकिन तब तक अमेरिका और कनाडा कुछ व्यापारिक समझौते करेंगे।

शटडाउन पर कहा- अपने कर्मचारियों का ख्याल रखेंगे : अमेरिकी में जारी शटडाउन पर सवाल पूछे जाने पर ट्रम्प ने कहा कि वे अपने कर्मचारियों का ख्याल रखेंगे, लेकिन कुछ लोग जो सही नहीं हैं, उनके लिए अलग व्यवस्था होगी। ट्रम्प ने कनाडा के साथ व्यापार को मुश्किल बताया, क्योंकि दोनों देशों के बीच कुछ असहमतियां हैं। फिर भी, उन्होंने कहा कि वे कनाडा और उसके लोगों से प्यार करते हैं। ट्रम्प ने कहा कि दोनों देशों का रिश्ता काफी बेहतर हुआ है और वे इन असहमतियों को सुलझा लेंगे। स्टील टैरिफ पर उन्होंने कहा कि वह अपना स्टील खुद बनाना चाहते हैं, लेकिन कनाडा को भी फायदा पहुंचाना चाहते हैं।

करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, और राजस्थान का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह पर्व सौभाग्यवती(सुहागिन) स्त्रियाँ मनाती हैं। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है।

करवा चौथ
प्यार-विश्वास का त्योहार

ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलाओं तक सभी नारियाँ करवाचौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। शास्त्रों के अनुसार यह व्रत कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी के दिन करना चाहिए। पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की अर्चना की जाती है। करवाचौथ में भी संकष्टीगणेश चतुर्थी की तरह दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्घ्य देने के उपरांत ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवाचौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

व्रत – कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करक चतुर्थी (करवा-चौथ) व्रत करने का विधान है। इस व्रत की विशेषता यह है कि केवल सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। स्त्री किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, सबको इस व्रत को करने का अधिकार है। जो सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे यह व्रत रखती हैं।

यह व्रत 12 वर्ष तक अथवा 16 वर्ष तक लगातार हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन (उपसंहार) किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियाँ आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। अतः सुहागिन स्त्रियाँ अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करें।

व्रत की विधि – कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है, उस दिन प्रातः स्नान करके अपने सुहाग (पति) की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें।

पूजन – उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। पूजन करने के लिए बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी बनाकर उपरोक्त वर्णित सभी देवों को स्थापित करें।

नैवेद्य – शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर मोदक (लड्डू) नैवेद्य हेतु बनाएँ।

करवा – काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के करवे अथवा तांबे के बने हुए करवे।

संख्या – 10 अथवा 13 करवे अपनी सामर्थ्य अनुसार रखें।

पूजन विधि – बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाड़ा बाँधकर देवता की भावना करके स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें।

पूजन हेतु निम्न मंत्र बोलें – ओम शिवायै नमः से पार्वती का, ओम नमः शिवाय से शिव का, ओम षण्मुखाय नमः से स्वामी कार्तिकेय का, ओम गणेशाय नमः से गणेश का तथा ओम सोमाय नमः से चंद्रमा का पूजन करें।

करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्घ्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएँ। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। पति की माता (अर्थात अपनी सासूजी) को उपरोक्त रूप से अर्पित एक लोटा, वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे जीवित न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

पूजन सामग्री

करवा चौथ एक नारी पर्व है। इस व्रत को सौभाग्यवती महिलाएं करती हैं। इस व्रत में प्रमुखतः गौरी व गणेश का पूजन किया जाता है। जिसमें पूजन सामग्री का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। आइए देखते हैं करवा चौथ से जुड़ी पूजन सामग्री की सूची – 1. चंदन 2. शहद 3. अगरबत्ती 4. पुष्प 5. कच्चा दूध 6. शक्कर 7. शुद्ध घी 8. दही 9. मिठाई 10. गंगाजल 11. कुंकू 12. अक्षत (चावल) 13. सिंदूर 14. मेहंदी 15. महावर 16. कंघा 17. बिंदी 18. चुनरी 19. चूड़ी 20. बिछुआ 21. मिट्टी का टोंटीदार करवा व ढक्कन 22. दीपक 23. रुई 24. कपूर 25. गेहूं 26. शक्कर का बूरा 27. हल्दी 28. पानी का लोटा 29. गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी 30. लकड़ी का आसन 31. चलनी 32. आठ पूरियों की अठावरी 33. हलुआ 34. दक्षिणा (दान) के लिए पैसे, इत्यादि।

करवाचौथ की कथा

बहुत समय पहले की बात है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहाँ तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी। शाम को भाई जब अपना व्यापार-व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे, लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फ चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्य देकर ही खा सकती है। चूँकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख-प्यास से व्याकुल हो उठी है।

सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चाँद उदित हो रहा हो।

इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चाँद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चाँद को देखती है, उसे अर्घ्य देकर खाना खाने बैठ जाती है।

वह पहला टुकड़ा मुँह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुँह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है। उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है।

सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है।

एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियाँ करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियाँ उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक भाभी से यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूँकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अतः उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह के वह चली जाती है। सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है। इसे देख करवा उन्हें जोर से पकड़ लेती है और अपने सुहाग को जिंदा करने के लिए कहती है। भाभी उससे छुड़ाने के लिए नोचती है, खसोटती है, लेकिन करवा नहीं छोड़ती है। अंत में उसकी तपस्या को देख भाभी पसीज जाती है और अपनी छोटी अँगुली को चीरकर उसमें से अमृत उसके पति के मुँह में डाल देती है। करवा का पति तुरंत श्रीगणेश-श्रीगणेश कहता हुआ उठ बैठता है। इस प्रकार प्रभु कृपा से उसकी छोटी भाभी के माध्यम से करवा को अपना सुहाग वापस मिल जाता है। हे श्री गणेश माँ गौरी जिस प्रकार करवा को चिर सुहागन का वरदान आपसे मिला है, वैसा ही सब सुहागिनों को मिले।

व्रत की पूजन विधि

हिंदू सनातन पद्धति में करवा चौथ सुहागिनों का महत्वपूर्ण त्योहार माना गया है। इस पर्व पर महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाकर, चूड़ी पहन व सोलह श्रृंगार कर अपने पति की पूजा कर व्रत का पारायण करती हैं। सुहागिन या पतिव्रता स्त्रियों के लिए करवा चौथ बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत कार्तिक कृष्ण की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। यदि दो दिन की चंद्रोदय व्यापिनी हो या दोनों ही दिन, न हो तो मातृविद्धा प्रशस्यते के अनुसार पूर्वविद्धा लेना चाहिए। स्त्रियां इस व्रत को पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। यह व्रत अलग-अलग क्षेत्रों में वहां की प्रचलित मान्यताओं के अनुरूप रखा जाता है, लेकिन इन मान्यताओं में थोड़ा-बहुत अंतर होता है। सार तो सभी का एक होता है पति की दीर्घायु।

करवा चौथ व्रत विधि

- करवा चौथ की आवश्यक संपूर्ण पूजन सामग्री को एकत्र करें।
- व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें- मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये।
- पूरे दिन निर्जला रहें।
- दीवार पर गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा चित्रित करें। इसे वर कहते हैं। चित्रित करने की कला को करवा धरना कहा जाता है।
- आठ पूरियों की अठावरी बनाएं। हलुआ बनाएं। पक्के पकवान बनाएं।
- पीली मिट्टी से गौरी बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं।
- गौरी को लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गौरी का श्रृंगार करें।
- जल से भरा हुआ लोटा रखें।
- वायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें।
- रोली से करवा पर स्वस्तिक बनाएं।
- गौरी-गणेश और चित्रित करवा की परंपरानुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना करें।

नमः शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं संतति शुभाम। प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां हरवल्लभे॥

- करवा पर 13 बिंदी रखें और गेहूं या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें।
- कथा सुनने के बाद करवा पर हाथ घुमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें।
- तेरह दाने गेहूं के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें।
- रात्रि में चन्द्रमा निकलने के बाद छलनी की ओट से उसे देखें और चन्द्रमा को अर्घ्य दें।
- इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएं और स्वयं भी भोजन कर लें।

पूजन के पश्चात आस-पड़ोस की महिलाओं को करवा चौथ की बधाई देकर पर्व को संपन्न करें।

दूध का अर्घ्य चढ़ेगा चंद्र देव को

पति की लंबी उम्र और मंगल कामना के लिए सुहागिनें करवा चौथ का व्रत रखेंगी। इस दिन निर्जला उपवास कर शाम को चंद्र दर्शन के बाद व्रत का समापन करेंगी। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। सौभाग्यवती महिलाएं अखंड सुहाग की रक्षा और पति के स्वस्थ्य एवं दीर्घायु जीवन के लिए निर्जला व्रत रखेंगी। इस दिन महिलाएं सुबह से ही व्रत रखकर संध्या के समय करवा चौथ की कथा का श्रवण करेंगी और रात में चंद्रदेव को अर्घ्य देकर व्रत तोड़ेंगी। यह व्रत निराहार ही नहीं बल्कि निर्जला के रूप में ही करना अधिक लाभप्रद माना जाता है। इस व्रत में भगवान शिव-पार्वती, कार्तिकेय, चंद्रदेव और गौरा का पूजन करने का विधान है। विधिवत पूजा-अर्चना के लिए एक तांबे या मिट्टी के पात्र में चावल, उड़द की दाल, सुहाग की सामग्री किसी श्रेष्ठ सुहागिन महिला या अपनी सास के चरण स्पर्श कर उन्हें भेंट करना चाहिए। कथा श्रवण करने के बाद रात में जैसे ही चंद्रदेव का उदय हो उसे छलनी से देखकर दूध एवं जल से अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद पहले चंद्रदेव और अपने पतिदेव की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसा करने से पति की आयु लंबी होती है।

भारत भर में मनाया जाता है करवा चौथ

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चौथी तिथि को सदियों से करवा चौथ के रूप में मनाया जाता है। इसे करक, करवा, करूआ या करूवा अनेक नामों से जाना जाता है। कई स्थानों पर इसे करवा गौर के नाम से भी पहचाना जाता है।

करवा मिट्टी या धातु से बने हुए लौटे के आकर के एक पात्र को कहते हैं, जिसमें टोंटी लगी होती है। करवा चौथ का व्रत स्त्रियां अपने सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए रखती हैं। शास्त्रों में दो विशिष्ट संदर्भों की वजह से करवा चौथ व्रत के पुरातन स्वरूप का प्रमाण मिलता है। इस व्रत के साथ शिव-पार्वती के उल्लेख की वजह से इसके अनादिकाल का पता चलता है। संपूर्ण भारत में, विशेष रूप से उत्तर-पूर्वी भारत में करवा चौथ का व्रत मनाया जाता है। निर्जला एकादशी व्रत की तरह यह व्रत भी निराहार व निर्जला होता है।

ऐसा माना जाता है कि यह व्रत सिर्फ विवाहिता स्त्रियों के लिए है परंतु अविवाहित कन्याओं द्वारा भी इस व्रत को किए जाने के प्रमाण उपलब्ध हैं। फर्क सिर्फ इतना ही है कि सौभाग्यवती महिलाएं चंद्रदर्शन के पश्चात व्रत तोड़ती हैं और कन्याएं आसमान में पहले तारे के दर्शन के बाद व्रत समाप्त करती हैं। संभव है कि लोकोक्ति पहला तारा मैंने देखा, मेरी मर्जी पूरी इस व्रत के कारण ही शुरू हुई हो। करवा चौथ व्रत में शिव, पार्वती, कार्तिकेय और चंद्रमा की पूजा की जाती है। इस व्रत के लिए चंद्रोदय के समय चतुर्थी होना जरूरी माना गया है। इस व्रत में करवे का विशेष रूप से प्रयोग होता है। महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखती हैं और चंद्रोदय के बाद भोजन-जल ग्रहण करती हैं। करवे में पकवान भरे जाते हैं या पताशे रखे जाते हैं और उन्हें दान में दिया जाता है। कई स्थानों पर चावल से बने व्यंजन भी रखे जाते हैं। इसी दिन शाकप्रस्थपुर के वेदधर्मा ब्राह्मण की विवाहिता पुत्री वीरवती की कथा सुनाई जाती है, जिसने यह व्रत किया था और पुनः अपने पति को प्राप्त किया था। दीवारों पर या जमीन पर सूर्य, चंद्र और करवे के चित्र बनाए जाते हैं। करवे को चावल व अलग-अलग रंगों से आवृत्तियां बनाकर सजाया जाता है। करवे की टोंटी में सरकंडे की सींकें लगाई जाती हैं। टोंटीवाले करवे के लोटे का चयन संकल्प व आचमन हेतु जल निकालने के लिए किया जाना, संभव है इस व्रत के पूर्व में ही विद्यमान रहा होगा।

रुक्मिणी वसंत ने कांतारा - चैप्टर 1 को बताया ज़िंदगी बदल देने वाला अनुभव

आज जब कांतारा - चैप्टर 1 दुनियाभर में रिलीज़ हुई है, तब एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत ने अपने दिल की बात शेयर की। एक इमोशनल नोट में उन्होंने बताया कि कैसे ये सफर उन्हें एक कलाकार और इंसान दोनों रूपों में नया बना गया। उन्होंने लिखा -एक साल पहले मुझे 'कांतारा - चैप्टर 1' का हिस्सा बनने का मौका मिला। इस फिल्म ने मुझे चुनौती दी, मुझे सिखाया, मेरे हुनर को निखारा और ज़िंदगी को एक नया नज़रिया दिया। ये फिल्म सच में प्यार और जुनून से बनी है - सैकड़ों लोगों की मेहनत से, जिन्होंने दिन-रात एक कर दिया। इस जादुई फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बेहद आभारी हूं। रुक्मिणी ने फिल्म के कप्तान ऋषभ शेट्टी को दिल से शुक्रिया कहा- ऋषभ सर इस प्रोजेक्ट की रीढ़ हैं। सर, आपका जुनून, मेहनत और विज़न मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहा। मुझ पर भरोसा करने और इस सफर में मेरा साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद।

उन्होंने होम्बले फिल्म्स की पूरी टीम - विजय किरागंदूर, चालुवे गौड़ा, आदर्श और उन सभी अनसुने हीरोज़ का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर इस अनुभव को जीवंत बनाया। और सफर अभी शुरू ही हुआ है। कांतारा - चैप्टर 1 के बाद रुक्मिणी अब दो बड़े प्रोजेक्ट्स में नज़र आएंगी - रॉकिंग स्टार यश के साथ टॉक्सिक और प्रशांत नील की एनटीआर जूनियर वाली मेगा फिल्म में।

रश्मिका मंदाना की राह पर कृति शेट्टी

कृति शेट्टी साउथ इंडिया सिनेमा में बहुत कम समय में तेज़ी से एक नया नाम बनकर उभर रही हैं, जिस पर ध्यान देना जरूरी है। अपनी बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस, स्वाभाविक आकर्षण और उप्पेना, श्याम सिंघा रॉय, बंगाराजु और द वॉरियर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने बहुमुखी अभिनय के साथ, उन्होंने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं, दोनों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। जिस तरह एक समय में रश्मिका मंदाना ने पूरे देश में लोकप्रियता हासिल की थी, उसी तरह कृति भी अपनी शानदार अभिनय क्षमता और सादगी भरी मौजूदगी से उसी दिशा में आगे बढ़ती दिख रही हैं। जो उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे होनहार चेहरों में से एक बनाता है। काफी कम समय में, कृति ने प्रभावशाली भूमिकाओं का एक ऐसा संग्रह तैयार किया है। जिन किरदारों को कृति ने निभाया है, वे दिखाते हैं कि वह अलग-अलग जॉनर में — चाहे रोमांस हो या गंभीर ड्रामा — उनमें खुद को ढालने में पूरी तरह सक्षम हैं। उनके अभिनय में भावनात्मक जुड़ाव और कैमरे के सामने सहजता, उन्हें अपने समकालीन कलाकारों की तुलना में अलग पहचान दिलाती हैं। अपनी उम्र से कहीं ज्यादा आत्मविश्वास और परिपक्वता दिखाने वाली कृति की यही खूबियाँ उन्हें उस इंडस्ट्री में अलग बनाती हैं जो हमेशा नई टैलेंट की तलाश में रहती है। कृति शेट्टी की पहचान सिर्फ एक मौजूदा लोकप्रिय कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद और टिकाऊ स्टार के रूप में बन रही है। वे अपने करियर में ऐसे किरदार और कहानियाँ चुन रही हैं जो न केवल उन्हें अभिनय का पूरा अवसर देते हैं, बल्कि व्यापक दर्शकों से जुड़ने का मौका भी। यह युवा अभिनेत्री, तेजी से बढ़ता फैन-बेस और कई भाषाओं की फिल्मों में उनकी मौजूदगी यह संकेत देती है कि कृति आने वाले समय में पैन इंडिया सुपरस्टार की श्रेणी में शामिल होने की राह पर हैं, और तेज़ी से दक्षिण सिनेमा की अगली बड़ी हस्ती बनती जा रही हैं।

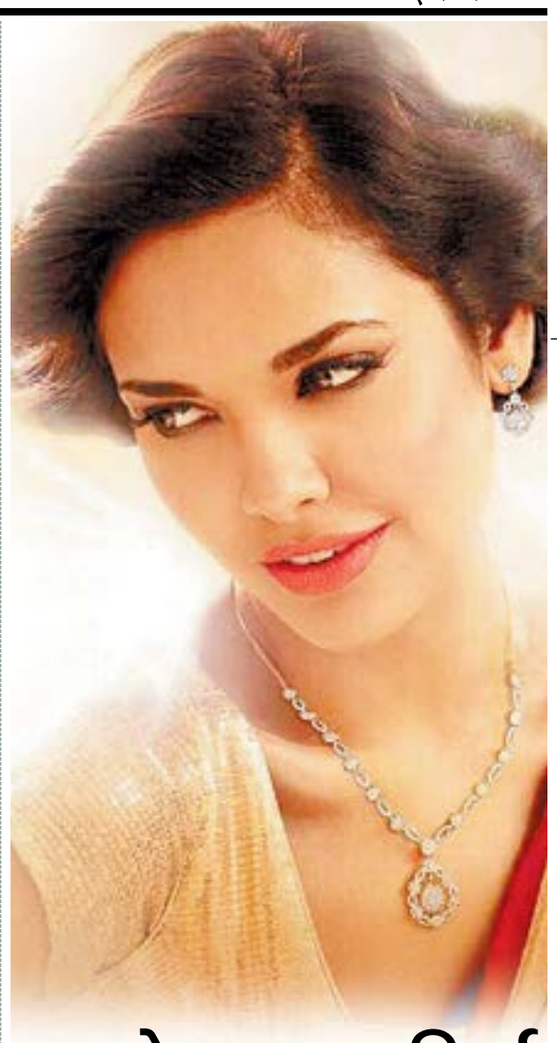

मेरा ध्यान सिर्फ़ किरदार और डायरेक्टर की सोच पर होता है

फिल्म जन्नत 2 से धमाकेदार डेब्यू करने के बाद अब ईशा गुप्ता को बॉलीवुड में 13 साल पूरे हो चुके हैं। इन सालों में ईशा ने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। हाल ही में बातचीत में ईशा ने अपने इस सफर को एक ऐसे रोलरकोस्टर की तरह बताया, जिसमें बहुत सारा सीखना, बढ़ना और नए अनुभव शामिल रहे। अपने काम के प्रति बदले नज़रिए पर ईशा कहती हैं, वक़्त के साथ चीज़ें बदल गई हैं और मेरा नज़रिया भी। पहले मैं स्क्रिप्ट के बारे में सोचती थी, लेकिन अब मेरा ध्यान सिर्फ़ किरदार और डायरेक्टर की सोच पर होता है। एक साधारण कहानी भी सही फ़िल्ममेकर के हाथों में मास्टरपीस बन सकती है। अगर मेरा रोल सिर्फ दो मिनट का हो, तब भी मैं उसे पूरी मेहनत से करती हूं, क्योंकि राइटर ने वो किरदार मेरे लिए लिखा है। गौरतलब है कि फिल्मों में अपने किरदारों के अलावा ईशा मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे को लेकर भी काफी जागरूक हैं। बिना किसी लाग-लपेट के वह कहती हैं, इसमें कोई शक नहीं है कि आज भी हमारे देश में मेंटल थेरेपी को गलत नज़र से देखा जाता है, जबकि हकीकत यह है कि एक स्वस्थ दिमाग ही थेरेपी का चुनाव करता है। हममें से ज्यादातर लोग थेरेपी के लिए इसलिए जाते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि ये हमारी बेहतरी के लिए है, जबकि जिन्हें इसकी ज़रूरत है, वे कभी जाते ही नहीं। सच खून, तो मुझे आगे बढ़ने में मेरी थेरेपी ने बहुत मदद की है। मैं हमेशा कहती हूं कि अगर आपके पास पैसा है, तो उसे अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर खर्च करो और उसे स्वस्थ रखो, क्योंकि इनके बिना बाकी सब बेकार है। जहां तक ईशा के अगले प्रोजेक्ट की बात है, ईशा जल्द ही धमाल 4 में अजय देवगन के साथ नज़र आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो ईद 2026 पर बड़े स्तर पर रिलीज़ होगी। इसमें दो राय नहीं है कि जन्नत 2 से लेकर अब तक ईशा ने बतौर अभिनेत्री खुद को बार-बार तराशते हुए एक कलाकार बनने का सफर तय किया है और उनका यह सफर सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि पर्दे के बाहर भी जुनून, लगन और आत्मविकास की प्रेरणादायक कहानी है।

'परफेक्ट कपल 2' में नजर आएंगे ईशान खट्टर

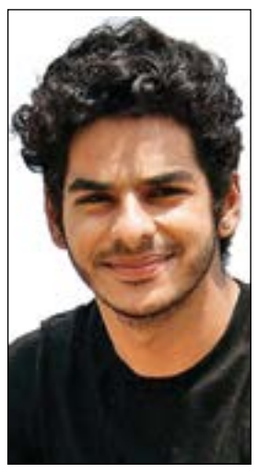

ईशान खट्टर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में सीरीज 'परफेक्ट कपल' की अपनी एक को-एक्ट्रेस के साथ फोटो शेयर किया। इस फोटो के शेयर करते हुए, उस पर कैप्शन लिखा, 'सीजन टू?' आगे लिखा, 'परफेक्ट कपल मिल गया।' शो के मेकर्स को भी ईशान खट्टर ने यह पोस्ट टैग की है। ईशान खट्टर अपनी पोस्ट के जरिए मेकर्स को हिंट दे रहे हैं कि सीरीज 'परफेक्ट कपल 2' करना चाहते हैं। यही ख्वाहिश उनकी को-एक्ट्रेस की भी है। बताते चलें कि अमेरिकन सीरीज 'परफेक्ट कपल(2024)' में ईशान का रोल ज्यादा बड़ा नहीं था, फिर भी वह दर्शकों को याद रह गए। इस मर्डर मिस्ट्री सीरीज को सुजैन बियर ने निर्देशित किया था। निकोल किडमैन जैसी हॉलीवुड की नामी एक्ट्रेस के साथ ईशान को एक्टिंग करने का मौका सीरीज 'परफेक्ट कपल' में मिला। ईशान सीरीज में एक शूटर के रोल में थे।

इन सीरीज में भी दिखे ईशान खट्टर

सिर्फ 'परफेक्ट कपल' सीरीज में ही ईशान खट्टर ने अभिनय नहीं किया है, उन्होंने मीरा नायर निर्देशित वेब सीरीज 'सूटेबल ब्वॉय' में भी काम किया है। इसके अलावा वह भूमि पेडनेकर के साथ सीरीज 'द रॉयल्स' में नजर आ चुके हैं।

शशांक खैतान ने दिया दुल्हनिया 3 पर अपडेट

बॉलीवुड में नई पीढ़ी की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक आलिया भट्ट और वरुण धवन की जोड़ी फिर से पर्दे पर वापसी करेगी या नहीं, इस सवाल का जवाब हर फैन पिछले कई वर्षों से तलाश रहा है। हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया जैसी हिट फिल्मों के बाद दर्शक लंबे समय से इस सीरीज के तीसरे पार्ट 'दुल्हनिया 3' का इंतजार कर रहे हैं। अब इस पर निर्देशक शशांक खैतान ने बड़ा अपडेट दिया है।

हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में शशांक खैतान ने कहा, हम सब चाहते हैं कि 'दुल्हनिया 3' बने। चाहे मैं हूं, आलिया हो या वरुण- सभी इस फ्रेंचाइज से जुड़े हैं। लेकिन अभी तक हमें वो सही कहानी नहीं मिली है, जो हमें और दर्शकों को संतुष्ट कर सके। उन्होंने साफ किया कि टीम लगातार आइडिया पर बातचीत कर रही है लेकिन अब तक कोई ठोस प्लान तैयार नहीं हुआ है। शशांक ने यह भी कहा कि दुल्हनिया सीरीज को मिली जबरदस्त मोहब्बत को देखते हुए वे जल्दबाजी में फिल्म बनाकर दर्शकों को निराश नहीं करना चाहते।

सिर्फ फिल्म नहीं, बल्कि कहानी मायने रखती है

निर्देशक के मुताबिक, किसी भी सफल फ्रेंचाइज का अगला पार्ट तभी बनाया जाना चाहिए जब उसके पास बताने के लिए एक मजबूत और मजेदार कहानी हो। उनका कहना है कि दुल्हनिया 3 तभी आएगी जब टीम को लगेगा कि यह कहानी पिछले दोनों पार्ट्स से भी ज्यादा असरदार और मनोरंजक है।

मैं हमेशा सोच-समझकर ही रोल्स चुनता हूं

अभिनेता विशाल जेठवा ने हाल ही में फिल्म होमबाउंड में मुख्य भूमिका निभाई। फिल्म और उनके अभिनय को क्रिटिक्स ने खूब सराहा। अभिनेता से उनके अब तक के सफर पर खास बातचीत की...

'होमबाउंड' के लिए ऑडिशन का सफर आपके लिए कैसा रहा?

पहले मैंने शोएब के रोल के लिए ऑडिशन दिया था, पर उसमें मेरा चयन नहीं हुआ। बाद में चंदन का किरदार मिला और तीन राउंड ऑडिशन देने के बाद, मेरी मेहनत रंग लाई। धर्मा के ऑफिस में मेरी और ईशान खट्टर की केमिस्ट्री देखकर तय हुआ कि मैं चंदन के लिए सही पसंद हूं।

होमबाउंड देखने के बाद आपको सबसे बड़ा संदेश क्या मिला?

इस फिल्म को देखकर मुझे लगा कि यह सिर्फ कहानी नहीं है, बल्कि समाज की असलियत दिखाती है। यह हमें बताती है कि हमारे आस-पास भेदभाव, छोटे-छोटे झुकाव और दूसरों को कम आंकने जैसी चीजें रोज होती रहती हैं, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। फिल्म ने मुझे यह सोचने पर मजबूर किया कि किसी भी बात को सिर्फ अपनी नजर से सही या गलत नहीं ठहराया जा सकता। बदलाव तभी आता है, जब हम दूसरों की सोच समझें और उनके साथ खुलकर बात करें। यह फिल्म केवल मनोरंजन नहीं करती, बल्कि सोचने और संवाद करने की प्रेरणा देती है।

शुरुआत में बॉलीवुड में फिट न होने का एहसास कैसा था?

शुरुआत में मुझे लगता था कि मैं बॉलीवुड में फिट नहीं हूं। बाकी लोग आसानी से सब संभाल लेते हैं। उनकी भाषा, अंदाज और कॉन्फिडेंस और मैं उनके सामने खुद को सही तरीके से दिखा नहीं पा रहा था। मैं उनके हिसाब से खुद को कम समझता था और कभी-कभी मिसफिट सा महसूस करता था। लेकिन धीरे-धीरे मुझे एहसास हुआ कि मैं अलग नहीं हूं। मैंने खुद को जैसे हूं, वैसे स्वीकार कर लिया। जब मैंने खुद को एक्सेप्ट किया, तो दोस्तों और सोशल मीडिया से भी सपोर्ट मिला। मुझे समझ आया कि अपनी पहचान को अपनाना ही सबसे बड़ी जीत है। अब मैं अपने आप पर गर्व महसूस करता हूं। मैं खुश हूं कि मैंने अपने तरीके से खुद को अपनाया।

कोई ऐसा सीन जो आपकी असली जिंदगी से जुड़ता हो?

शूटिंग के दौरान कई बार मुझे अपने किरदार से जुड़ने का मौका मिला और कुछ सीन मेरे असली अनुभवों को दर्शाते थे। मैंने अपनी पहचान को स्वीकार करना सीखा, लेकिन शुरुआत में मुझे एहसास नहीं था कि यह प्रक्रिया मेरे लिए कितनी चुनौतीपूर्ण होगी। मेरे किरदार के कुछ पहलू ऐसे थे, जिन्हें मैं पूरी तरह से स्वीकार नहीं कर पा रहा था। बिल्कुल वैसे ही जैसे असली जिंदगी में कभी-कभी हम खुद को पूरी तरह स्वीकार नहीं कर पाते।

बड़े ऑफर्स के बावजूद आप कोई किरदार कैसे चुनते हैं?

सच कहूं तो, मुझे फिल्मों में ऑफर्स आते रहे, लेकिन मैं हमेशा सोच-समझकर ही रोल्स चुनता हूं। कई फिल्म्स गंभीर और इंटेंस सब्जेक्ट्स पर होती हैं, तो शायद उन्हें लगता था कि मैं सेफ चॉइस हूं। लेकिन मैं चाहता था कि अपने काम में एक्सपेरिमेंट करूं। इस फिल्म में भी शुरुआत में डर था, क्योंकि रोल डिमांडिंग था, लेकिन सलाम वेंकी में मैंने अलग अवतार में काम करके लोगों को अपनी काबिलियत दिखाई थी। इस प्रोसेस ने मुझे यह सिखाया कि एक एक्टर को सिर्फ टाइपकास्ट नहीं होना चाहिए। मीडियम चाहे टीवी हो या फिल्म, हमें हमेशा एक्टिंग के नजरिए से देखा जाना चाहिए।

ईशान और जान्हवी के साथ काम का सबसे यादगार पल कौन सा रहा?

ईशान और जान्हवी के साथ काम करना बहुत शानदार अनुभव रहा। उनकी परवरिश और जीवन मेरे से काफी अलग हैं, लेकिन उन्होंने मेरे नजरिए का पूरा सम्मान किया। इससे मुझे यह समझ में आया कि किसी की अलग जर्नी होने का मतलब यह नहीं कि काम हमेशा मुश्किल या दबाव भरा है। हम सहज होकर काम कर पाए और एक-दूसरे को सपोर्ट करते रहे।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत संघ प्रदेश थ्रीडी में तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का हुआ शुभारंभ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण/सिलवासा/दीव, 09 अक्टूबर। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आयोजित तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का शुभारंभ आज संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव में किया गया। अभियान का शुभारंभ शिक्षा विभाग द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सहयोग से आयोजित एक भव्य जागरूकता रैली के माध्यम से किया गया। यह रैली रेसिडेंट डिप्टी कलेक्टर दादरा नगर हवेली द्वारा टोकरखाड़ा हाईस्कूल से हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग, जिला पंचायत, पुलिस विभाग तथा नगरपालिका परिषद के अधिकारी उपस्थित रहे। इसी प्रकार की जागरूकता रैलियाँ एवं कार्यक्रम दमण और दीव जिलों में भी आयोजित किए गए, जिनमें छात्रों, शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं स्थानीय समुदायों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह अभियान दमण जिले में भी बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। जहाँ नाइट मार्केट क्षेत्र में एक भव्य जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिनमें सरकारी नर्सिंग कॉलेज के छात्र, शिक्षक, स्वास्थ्यकर्मी एवं स्थानीय नागरिक शामिल नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों और इसके सामाजिक स्वास्थ्य परिणामों पर प्रभावशाली संदेश दिया गया। रैली में उपस्थित लोगों ने तंबाकू मुक्त समाज के नारे लगाकर जनजागरूकता फैलाने का कार्य किया। इस रैली में सैकड़ों छात्रों एवं युवाओं ने भाग लेकर तंबाकू मुक्त जीवनशैली के संदेश को जन-जन तक पहुँचाया। रैली का उद्देश्य युवाओं और आमजन को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और तंबाकू त्याग हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने तंबाकू मुक्त युवा शपथ ली, जिसमें उन्होंने तंबाकू से दूर रहने और दूसरों को भी प्रेरित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर लगाए गए बैनर, पोस्टर और जनघोषणाओं के माध्यम से धूम्रपान एवं बिना धुएँ वाले तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का आयोजन संघ प्रदेश के सभी जिलों में 09 अक्टूबर से 08 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा। इस अभियान में स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस, जिला पंचायत एवं नगरपालिका विभागों की संयुक्त भागीदारी रहेगी। अभियान के अंतर्गत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम एवं रैलियां, निबंध, पोस्टर एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, मुख कैंसर स्क्रीनिंग शिविर एवं स्वास्थ्य परामर्श सत्र, ग्राम सभाओं में समुदाय जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम, सीओसीटीपीए अधिनियम, 2003 के अंतर्गत सख्त प्रवर्तन अभियान जैसी गतिविधियां आयोजित होंगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने सभी विभागों, संस्थानों तथा आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव को तंबाकू मुक्त संघ प्रदेश बनाने में योगदान दें।

दीव पुलिस विभाग ने सुरक्षित नारी सुंदर भविष्य विषय पर छात्राओं के लिए कराटे प्रशिक्षण का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दीव, 09 अक्टूबर। दीव पुलिस विभाग ने एजुकेशन हब दीव में सुरक्षित नारी-सुन्दर भविष्य विषय के अंतर्गत छात्राओं के लिए एक आत्मरक्षा (कराटे) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य युवा लडकियों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आत्मरक्षा के लिए आवश्यक आत्मविश्वास, जागरूकता और व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाना है। प्रशिक्षित प्रशिक्षकों ने विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों का प्रदर्शन किया और दैनिक जीवन में उनके महत्व को समझाया। यह पहल लडकियों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में मजबूत, सतर्क और आत्मनिर्भर रहने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह पहल दीव के पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में उप-विभागीय पुलिस अधिकारी दीव के समन्वय में और दोनों पुलिस थानों के स्टेशन हाउस अधिकारियों के सक्रिय सहयोग से शुरू की गई है। दीव पुलिस महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और जिले भर में इस तरह की जागरूकता और प्रशिक्षण पहल का आयोजन जारी रखेगी।

दीव पुलिस ने जप्त की अवैध भारतीय निर्मित विदेशी शराब

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दीव, 09 अक्टूबर। दीव पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और उप-मंडल पुलिस अधिकारी दीव के पर्यवेक्षण में दीव पुलिस ने जन सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपायों को और कड़ा कर दिया है। इन उपायों के तहत, जिले भर में विशेष रूप से विषम समय के दौरान, अतिरिक्त गश्त, भीड़-भाड़ वाले इलाकों में निगरानी बढ़ाई जा रही है और चौकियों पर कड़ी जाँच की जा रही है। 08 अक्टूबर 2025 को उप-मंडल पुलिस अधिकारी दीव के पर्यवेक्षण में, विश्वसनीय सूचना के आधार पर गश्त के दौरान एक अभियान चलाया गया। यह अभियान दीव पुलिस की विशेष स्टाफ टीम द्वारा चलाया गया। अभियान के दौरान, भारी मात्रा में अवैध आईएमएफएल शराब जप्त की गई। लगभग 13:15 बजे घोघला स्मशान के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया, जहाँ आस-पास के कई स्थानों पर शराब छिपाई हुई पाई गई। बाद में की गई जाँच के दौरान, व्यक्ति के पास से अवैध भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) बरामद की गई। संदेह है कि यह शराब गुजरात राज्य में ले जाई जा रही थी। दीव पुलिस ने गढ़िया सुनील भगवानभाई (28 वर्ष) निवासी मोटा कोलीवाड़ा, ऊना, गिर सोमनाथ गुजरात को गिरफ्तार किया है और 10350 रुपये की विभिन्न ब्रांडों की शराब ज़प्त की है। ज़प्त की गई शराब आबकारी विभाग को सौंप दी गई है और हिरासत में लिए गए व्यक्तियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार के तहत आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के बच्चों का कक्षा 1 में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरु

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण, 09 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एव दीव शिक्षा निदेशालय द्वारा सूचना जारी कर बताया गया है कि बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम -2009 की कलम 12 (1) (क) के तहत प्रदेश के सभी गैर-अनुदानित तथा निजी विद्यालयों में कक्षा-1 में 25% आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित समुदाय के छात्रों को प्रवेश देना अनिवार्य हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (एक लाख या उससे से कम वार्षिक आय वाले परिवार), शारीरिक रूप से अक्षम बालक (40% या उससे अधिक अक्षमता प्रमाणपत्र वाले), संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली एवं दमण एवं दीव द्वारा अनुसूचित जनजाति(एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) की जातियों और एचआईवी से प्रभावित/प्रभावित सदस्य के साथ रहने वाले बच्चे को अधिसूचित किया है। उपरोक्त उल्लेखित वर्ग के ऐसे छात्र जिनकी आयु 30 सितंबर, 2026 तक 06 वर्ष की हो तो प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवश्यक शर्तो को पूरा करने वाले आवेदक, नजदीकी निजी प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश पाने हेतु निर्धारित आवेदन पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, दादरा एवं नगर हवेली, सिलवासा तथा सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खानवेल (मराठी माध्यम), जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय दमण तथा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय दीव में 28 नवम्बर, 2025 (घोषित अवकाश के दिन को छोड़कर) तक कार्यालय समय के दौरान आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदक, आवेदन पत्र का निर्धारित नमूना एवं अधिक जानकारी प्रशासन की आधिकारिक website: https://dnh.gov.in, https://daman.nic.in, https://diu.gov.in एवं https://ddd.gov.in पर से डाउनलोड कर सकते हैं। दादरा एवं नगर हवेली एवं दमण एवं दीव के अधिवास (डोमिसाइल) धारकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

ट्रेडिंग के नाम पर एक का डबल करने वाले ठगों के खिलाफ पीड़ितों ने उठाई आवाज, दानह एसपी से लगाई न्याय की गुहार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क सिलवासा, 09 अक्टूबर। सिलवासा में दो वर्ष पहले ट्रेडिंग के माध्यम से एक का डबल करने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये ठगने वाले कमलेश कडू और उनकी टीम के खिलाफ आज दर्जनों पीड़ित सामने आए। सूत्रों के अनुसार कमलेश कडू और उनकी टीम ने तेज़ मुनाफ़े का लालच देकर निवेशकों से भारी रकम इकट्ठी की थी, लेकिन आज तक किसी को उसका पैसा वापस नहीं मिला। बताया जा रहा है कि आरोपी कमलेश कडू पिछले कई महीनों से अलग-अलग धोखाधड़ी के मामलों में पुलिस की गिरफ्त में आता-जाता रहा है और हाल ही में फिर से पुलिस के हत्थे चढ़ा है। आज करीब 200 से अधिक पीड़ित नागरिक सिलवासा स्थित एसपी कार्यालय पहुंचे और अपनी शिकायतें एसपी के समक्ष रखीं। मुलाकात के दौरान एसपी ने सभी पक्षों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और पीड़ितों को आश्वासन दिया कि जिन्होंने जितनी राशि दी है, उसकी जांच कर जल्द से जल्द उचित कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सिर्फ कमलेश कडू तक सीमित नहीं है। इसी तरह की एक और गैंग आकाश पटेल और उनकी टीम ने भी एक का डबल योजना के नाम पर स्थानीय लोगों सहित बाहरी निवेशकों को सैकड़ों का चूना लगाया है। कई पीड़ितों ने बताया कि उन्होंने इन योजनाओं में पैसा लगाने के लिए लोन लिया, तो कुछ ने अपने गहने और मंगलसूत्र तक गिरवी रख दिए और अब तक उन्हें न तो पैसा मिला और न ही कोई ठोस समाधान। लोगों की उम्मीद अब प्रशासन से है कि ऐसे गिरोहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, ताकि आम जनता को न्याय मिल सके और भविष्य में कोई भी ऐसी ठगी का शिकार न बने।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)